RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

धूम धाम से मनाई गई माँ बगलामुखी की जंयती

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर शनिवार ● 29 अप्रैल, 2023 अंक - 1 तिथि : वैशाख शुक्ल पक्ष नवमी कुल पृष्ठ - 8 मूल्य -1 रु.

10 साल पूरे गौरवपूर्ण यात्रा के साथ 11वें वर्ष में प्रवेश

पाठकों का हृदय की गहराई से धन्यवाद

डॉ देवेन्द्र

10 साल के शानदार और गौरवशाली सफर में सद्भावना पाती को आपने बहुत प्यार दिया हैं सर्वप्रथम बधाई हमारे पाठकों को जिन्होंने 10 वर्ष के गौरवशाली इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है आपका प्यार पहले से ज्यादा बढ़कर मिल रहा है।

इस शानदार यात्रा में पाठकों के साथ बहुत ही रोमांचक होकर गौरवशाली इतिहास की अनुभूति कर रहा हूं यह परिवार सिर्फ यहां के कर्मचारियों और पत्रकारों तक सीमित नहीं है. बल्कि आप पाठकों का स्नेह और प्रेम ही सबकुछ हमारी पूंजी है आप भी सदभावना पाती परिवार का हिस्सा है।

अप्रैल 2013 का वो दिन..

जब सद्भावना पाती की नींव रखी गई और आज हम 29 अप्रैल 2023 को 10 वर्ष पूर्ण कर 11वें में प्रवेश कर गए, सदभावना पाती अपने इतिहास के गौरवशाली 10 वर्ष पूर्ण कर चुका है. अखबार की इस यात्रा में कई उतार-चढ़ाव आये परन्तु हमने अपने पाठकों और दर्शकों को उनकी रुचि के अनुरूप खबरों से जोड़ें रखा.

हम आज 11 वें वर्ष में प्रवेश कर रहे है

लोकतंत्र के मजबूत चौथे स्तंभ की सशक्त भूमिका निभाते हुए और कर्तव्य पथ पर सतत रहते हमने 10 साल की यात्रा पूर्ण की है यह हमारे पाठकों और दर्शकों का शुभाशीष है।

इसके साथ ही यह हमारे साथियों, संरक्षकों, मार्गदर्शकों की कर्मठता है जिसने सदभावना पाती को 10 वर्ष का सफर पूरा करने और भविष्य में नई राह और अपनी मंजिल की ओर चलने के लिए प्रेरित किया है शक्ति दी है।

सद्भावना पाती ऐसा समूह है जहां पाठकों और दर्शकों के प्रति प्रतिबद्धता पहली प्राथमिकता है, हर खबर पूरी निर्भीकता, निष्पक्षता और निरंतरता के साथ देता है ।

यह एक ऐसा मीडिया परिवार है जो समय के साथ कदमताल करते अपने 10 वर्ष की यात्रा को बेहतरीन बनाते हुए आगे बढ़ रहा है

10 वर्ष की यात्रा के बाद अब हम जल्द ही भोपाल और दिल्ली से संस्करण निकालेंगे

बहुत ही कम रिसोर्सेज और सीमित संसाधनों के साथ सद्भावना पाती की यात्रा शुरू हुई थी, सदभावना पाती ने हमेशा देश और देशवासियों, किसानों और मजदूरों के हितों कि पैरवी की है।

यात्रा में हमारे सुधी पाठकों का भरोसा हमारी मुख्य शक्ति है

सही मायने में हमारे पाठक ही हमारे नायक है, सद्भावना पाती अखबार आपका हृदय से धन्यवाद प्रेषित करता है ।एक शानदार आगाज और सफर लगातार जारी है. डिजिटल की दुनिया में भी आपका बहुत प्यार मिला है और सभी प्लेटफार्म पर आप जुड़े हुए हैं यह प्यार स्नेह बनाए रखिए और इसी तरह हमें प्रेरित करते रहिए।

पुनः धन्यवाद- 11वें वर्ष में प्रवेश के साथ ही अब दैनिक सदभावना पाती अखबार नए कलेवर नए स्वरूप में आपको उपलब्ध होगा।

खजराना गणेश मंदिर

जय गणेश.....

मान्यताओं के अनुसार खरजाना के एक स्थानीय पंडित मंगल भट्ट को सपने में भगवान गणेश ने दर्शन देकर उन्हें मंदिर निर्माण के लिए कहा था। उस समय होलकर वंश की महारानी अहिल्या बाई का राज था। पंडित ने अपने स्वप्न की बात रानी अहिल्या बाई को बताई जिसके बाद रानी अहिल्या बाई होलकर ने इस सपने की बात को बेहद गंभीरता से लिया और स्वप्न के अनुसार उस जगह खुदाई करवाई. खुदाई करवाने पर ठीक वैसी ही भगवान गणेश की मूर्ति प्राप्त हुई जैसा पंडित ने बताया था। ऐसा माना जाता है कि औरंगजेब से गणेश मूर्ति की रक्षा करने के लिए मूर्ति को एक कुएं में छिपा दिया गया था इसके बाद 1735 में कुएं से मूर्ति निकालकर मंदिर का निर्माण किया गया।

देवी अहिल्या.....

अहिल्यादेवी होलकर (31 मई 1725 – 13 अगस्त 1795), मराठा साम्राज्य की प्रसिद्ध महारानी तथा इतिहास-प्रसिद्ध सूबेदार मल्हारराव होलकर के पुत्र खण्डेराव की धर्मपत्नी थीं। उन्होने माहेश्वर को राजधानी बनाकर शासन किया। अहिल्याबाई ने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर भारत-भर के प्रसिद्ध तीर्थों और स्थानों में मन्दिर बनवाए, घाट बँधवाए, कुओं और बावड़ियों का निर्माण किया, मार्ग बनवाए-काशी विश्वनाथ में शिवलिंग को स्थापित किया, भूखों के लिए अन्नसत्र (अन्यक्षेत्र) खोले, प्यासों के लिए प्याऊ बिठलाईं, मन्दिरों में विद्वानों की नियुक्ति शास्त्रों के मनन-चिन्तन और प्रवचन हेतु की।

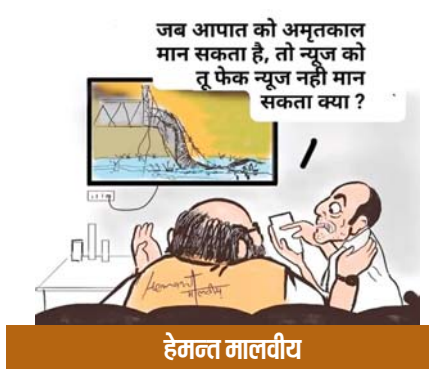

हेमन्त मालवीय

पीएम मोदी ने दो करोड़ लोगों को दी सौगात देशभर में 91 जगहों पर एफएम रेडियो स्टेशन की शुरुआत की

मप्र के पन्ना-कटनी भी शामिल, पीएम बोले- रेडियो से ही संभव था देशवासियों से भावनात्मक जुड़ाव

(सद्भावना पाती)

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर में 91 जगहों पर एफएम रेडियो स्टेशन की शुरुआत की। पीएम ने मप्र के पन्ना और कटनी में भी एक-एक एफएम रेडियो स्टेशन का वर्चुअल उद्घाटन किया। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने संसदीय क्षेत्र में इन दोनों एफएम रेडियो स्टेशन की शुरुआत होने पर पीएम मोदी का आभार जताया और स्थानीय जनता को बधाई दी।

एफएम रेडियो स्टेशनों का वर्चुअल उद्घाटन करने के बाद पीएम नरेन्द्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- आज ऑल इंडिया रेडियो की एफएम सर्विस का एक्सपेंशन ऑल इंडिया एफएम बनने की दिशा में बड़ा महत्वपूर्ण कदम हैं। ऑल इंडिया रेडियो के 91 एफएम ट्रांसमीटर्स की शुरुआत 85 जिलों के दो करोड़ लोगों के लिए उपहार की तरह है। इस कार्यक्रम में भारत की विविधता और अलग-अलग रंगों की झलक है। अभी कुछ दिन बाद ही मैं रेडियो पर मन की बात का 100वां एपिसोड करने जा रहा हूं। मन की बात का ये अनुभव, देशवासियों से इस तरह का भावनात्मक जुड़ाव केवल रेडियो से ही संभव था। मैं इसके जरिए देशवासियों के सामर्थ्य से और सामूहिक कर्तव्यशक्ति से जुड़ा रहा है।

वीडी शर्मा ने पीएम का जताया आभार

कार्यक्रम के बाद बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश में 91 एफएम रेडियो स्टेशन का शुभारंभ किया है। हमारा सौभाग्य है कि मेरे संसदीय क्षेत्र खजुराहो के पन्ना और कटनी में दो एफएम रेडियो की आज शुरुआत हुई है। प्रदेश के साथ और भी स्थानों पर आज एफएम रेडियो की शुरुआत हुई है। प्रधानमंत्री जी के साथ हमारे कैबिनेट मंत्री अनुराग ठाकुर और राज्य मंत्री जो कि हमारे मध्य प्रदेश से राज्य सभा के सदस्य हैं एल मुरूगन को मैं बहुत बधाई देता हूं। एफएम रेडियो पूरे संसदीय क्षेत्र में पन्ना और कटनी में भी कम्युनिटी डेवलपमेंट से लेकर शिक्षा और कई प्रकार के इंफॉर्मेशन के साथ मनोरंजन का एक साधन संसदीय क्षेत्र की जनता के लिए बनेगा।

30 अप्रैल को मन की बात का 100वां एपिसोड

वीडी शर्मा ने कहा मन की बात का ऐतिहासिक एपिसोड 100वां एपिसोड 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात का कार्यक्रम होगा। भाजपा मध्यप्रदेश ने 64100 बूथ और विशेष तौर पर 25,000 स्थान हमने आईडेंटिफाई किए हैं। जहां पर उत्सव जैसे वातावरण के साथ समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़कर नए इनोवेटिव आइडिया का काम करने वाले लोगों को जोड़कर खिलाड़ी नौजवान आर्टिस्ट किसान जैविक खेती करने वाले नेचुरल फार्मिंग करने वाले लोगों को जोड़ा जाएगा। अभी मुझे हमारे कुछ कार्यकर्ता कह रहे थे कि हमने तय किया है कि प्रधानमंत्री मोदी जी मन की बात के साथ श्री अन्न का भोजन भी होगा और मन की बात भी होगी। मोदी जी लगातार पूरे देश में इस बात को कह रहे हैं कि मोटा अनाज श्री अन्न मन के साथ जुड़ रहा है नेचुरल फार्मिंग मन की बात के साथ जुड़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कुपोषण के शिकार बच्चों के लिए काम करें तो आंगनबाड़ी के साथ भी मन की बात करें अनुसूचित जाति जनजाति के भाइयों के साथ सामाजिक समरसता और मन की बात इसको जोड़कर भी करें। नए प्रकार की ऐसी चीजें पूरे मध्यप्रदेश के अंदर अलग-अलग प्रयोग नए प्रयोगों के साथ मन की बात में ऐतिहासिक बनाएं। मध्य प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं ने तय किया है कि 64100 बूथों पर हम मन की बात के कार्यक्रम को विशेष बनाने का प्रयास करेंगे।

मदरसों की जांच का फैसला स्वागत योग्य

मदरसों की जांच को लेकर कांग्रेस नेताओं द्वारा किए जा रहे विरोध बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा - अगर किसी भी इस प्रकार के संस्थान की जांच होती है और वहां पर क्या परोसा जा रहा है कैसे लोग तैयार किए जा रहे हैं अगर इसकी जांच कड़ाई के साथ सरकार करती है तो मैं तो इसका अभिनंदन करता हूं। कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति करती है ये कांग्रेस के खून में है। उन्हें केवल एक वर्ग का सपोर्ट चाहिए। अब कांग्रेस को उनका सपोर्ट भी मिलने वाला नहीं है। उन्हें भी पता लग गया है कि कांग्रेस इतने सालों तक कैसे हमको भ्रमित करती रही। वीडी शर्मा ने कहा- आज मैं गंभीरता के साथ कहता हूं। भारत के अंदर अल्पसंख्यक समुदाय के भाई और बहनों का भी अगर जीवन स्तर ऊंचा उठा है तो वह किसी के नेतृत्व में उठा है तो वह भाजपा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनका जीवन स्तर भी बदला है। कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति इस देश के अंदर नहीं चलेगी कांग्रेस अपना अस्तित्व खो चुकी है।

हेट स्पीच मामले में सुप्रीम आदेश : भड़काऊ भाषणों पर बिना शिकायत दर्ज होगी एफआईआर

देरी हुई तो इसे कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट माना जाएगा

नई दिल्ली (सद्भावना पाती)

देश में नेताओं के भड़काऊ भाषणों पर नकेल कसने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को नफरत फैलाने वाले भाषणों पर एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने अपने 2022 के आदेश का दायरा बढ़ाते हुए कहा कि इस मामले में बिना किसी शिकायत के भी एफआईआर दर्ज करनी होगी। इसके साथ-साथ शीर्ष न्यायालय ने चेतावनी देते हुए कहा कि इस मामले में अगर केस दर्ज करने में देरी की जाती है तो उसे अदालत की अवमानना माना जाएगा।

ज्ञातव्य है की देश में पिछले कुछ साल से हेट स्पीच के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। नफरत भरे भाषणों पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने धर्म की परवाह किए बिना कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ यूपी, दिल्ली और उत्तराखंड सरकार को ये आदेश दिया था, लेकिन अब ये आदेश सभी राज्यों को दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा ऐसे मामलों में कार्रवाई करते हुए बयान देने वाले की धर्म की परवाह नहीं करनी चाहिए. ऐसे ही धर्मनिरपेक्ष देश की अवधारणा को जिंदा रखा जा सकता है। अदालत ने कहा कि हेट स्पीच एक गंभीर अपराध है, जो देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को प्रभावित कर सकता है।

धर्म के नाम पर हम कहां पहुंच गए, ये दुखद है

अदालत ने कहा कि हेट स्पीच एक गंभीर अपराध है, जो देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को प्रभावित कर सकता है। जस्टिस केएम जोसेफ और बीवी नागरत्ना की बेंच ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि हम धर्म के नाम पर कहां पहुंच गए हैं? यह दुखद है। न्यायाधीश गैर-राजनीतिक हैं और उन्हें पार्टी ए या पार्टी बी से कोई सरोकार नहीं है और उनके दिमाग में केवल भारत का संविधान है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट देश के विभिन्न हिस्सों से दाखिल हेट स्पीच से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। पहले पत्रकार शाहीन अब्दुल्ला ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर नफरत फैलाने वाले बयान देने वालों के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की थी। इस पर कोर्ट ने 21 अक्टूबर 2022 को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सरकारों को ऐसे मामलों में बिना शिकायत के केस दर्ज करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने आज अपने आदेश का दायरा बढ़ा दिया है।

नेहरू और वाजपेयी का किया था जिक्र

हेट स्पीच के कई मामले पिछले कुछ समय में देखे गए हैं। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं भी दायर की गई हैं। कोर्ट ने हाल-फिलहाल के समय में सरकारों के खिलाफ कड़ी टिप्पणियां भी की हैं। पिछले महीने ही हेट स्पीच से जुड़े इसी मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जिस समय राजनीति व धर्म अलग हो जाएंगे और नेता राजनीति में धर्म का उपयोग करना बंद कर देंगे, तब हेट स्पीच बंद हो जाएगी। उन्होंने देश के पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहर लाल नेहरू और अटल बिहारी वाजपेयी के भाषणों का भी जिक्र किया था और कहा था कि उनके समय में दूर-दूर के लोग उन्हें सुनने के लिए आते थे।

राज्य सरकारों को बताया था नपुसंक

कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए कहा था कि हर दिन फ्रिंज एलिमेंट टेलीविजन और मंचों से दूसरों को बदनाम करने के लिए स्पीच दे रहे हैं। जस्टिस केएम जोसेफ और जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच ने राज्य सरकारों को नपुसंक तक करार दिया था। कोर्ट ने कहा था कि हेट स्पीच की घटनाओं के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है। सभी को अपनी इज्जत प्यारी होती है, लेकिन ऐसे बयान दिए जाते हैं कि पाकिस्तान चले जाओ। सच्चाई यह है कि उन्होंने यह देश चुना है। बेंच ने कहा था कि नफरत एक दुष्चक्र है और राज्य को कार्रवाई शुरू करनी होगी।

Dr. Vinay Tantuway

arthros
Arthros Clinic
A Dedicated Center for arthriscopy and sports injuries

11वें वर्ष में प्रवेश होने पर सद्भावना परिवार को शुभकामनाएं

बिजासन माता मंदिर इंदौर

यह मंदिर इंदौर एयरपोर्ट के ठीक पास एक छोटी-सी पहाड़ी पर बना हुआ इंदौर का बिजासन माता मंदिर पुजारियों का मानना है कि माता की ये पिंडियाँ सैकड़ों सालों से इसी प्रकार प्रतिष्ठित हैं, जिनकी यहाँ के निवासी पूजा-अर्चना करते आ रहे हैं। पुजारियों का यह भी मानना है कि ये मां वैष्णोदेवी की मूर्तियों के समान स्वयंभू पाषाण की पिंडियां हैं।

बताया जाता है कि सन 1760 में ऐसे ही एक दिन महाराजा शिवाजीराव होलकर भी इस जंगल में शिकार की तलाश में घुम रहे थे तभी उन्हें यहां एक प्राचीन मंदिर के अवशेष दिखाई दिये।

राजवाडा इंदौर

हर इन्दौरी की हर जरुरत का एक ही नाम और जगह राजवाडा, पर्यटन के प्रमुख आकर्षणों में से एक यह महल होलकर राजवंश के शासकों की ऐतिहासिक हवेली है।

इस महल का निर्माण लगभग 200 साल पहले मराठा साम्राज्य के होल्कर राजवंश संस्थापक मल्हार राव होल्कर द्वारा निर्मित किया गया था। यह सात मंजिला संरचना छतरियों के पास स्थित है और आज शाही भव्यता और स्थापत्य कौशल का एक बेहतरीन उदाहरण है।

11वें वर्ष में प्रवेश होने पर
सद्भावना परिवार को शुभकामनाएं
Mantra to get the best outcome.....
Best solution
बधाईकर्ता

10 वर्ष पूरे होने पर
दैनिक सद्भावना पाती अखबार को
अनेक शुभकामनाएं
बधाईकर्ता:- गजेन्द्र वर्मा (कांग्रेस नेता)

11वें वर्ष में प्रवेश होने पर
अनेक शुभकामनाएं

सद्भावना पाती को
CONGRATULATIONS!
बधाईकर्ता:- जोगेन्द्र भदौरिया (अध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा)

CONGRATULATIONS!
10 वर्ष
पूर्ण होने पर
दैनिक सद्भावना पाती को
अनंत शुभकामनाएं
-: बधाईकर्ता :-
पार्षद राजीव जैन
वार्ड क्रमांक: 50

11वें वर्ष में प्रवेश होने पर
सद्भावना परिवार को शुभकामनाएं

बधाईकर्ता:- ए. के. जैन (ए. के. रियेलिटी)

मेडिकल कॉलेजों में फुल टाइम हो अधीक्षक और संयुक्त संचालक - हाईकोर्ट का आदेश

जबलपुर (सद्भावना पाती)

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों में अधीक्षक पद पर पूर्णकालिक नियुक्ति करने की मांग स्वीकार कर ली है। राज्य सरकार ने इस मामले में कोर्ट में कहा कि संयुक्त संचालक और अधीक्षक के पदों पर फुलटाइम नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए गए हैं। इसके बाद याचिका को स्वीकार कर निराकरण कर दिया गया।

चीफ जस्टिस रवि विजयकुमार मलिमठ और जस्टिस विशाल मिश्रा की बेंच ने नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के अध्यक्ष डॉ. पीजी नाजपांडे की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई की। 2016 में दाखिल इस याचिका में मांग की गई थी कि प्रदेश के लगभग सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में अधीक्षक के पद खाली हैं। वहां पर प्रभारी ही जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। जो अधीक्षक हैं, उनके पास पहले से पढ़ाने और इलाज की जिम्मेदारी थी। इसके बाद भी अब उन्हें अधीक्षक के पद की भी जिम्मेदारी दे दी गई है। याचिका पर सुनवाई के दौरान शासन ने बताया कि 2022 में बने नए नियमों के अनुसार प्रोफेसर को ट्रांसफर कर अधीक्षक के पद पर पदस्थ किया जाता है। इस पर हाईकोर्ट ने पूछा कि ऐसा करने पर अधीक्षक को प्रभारी क्यों लिखते हैं? प्रोफेसर को ही फुलटाइम अधीक्षक क्यों नहीं बना देते? सरकार ने कहा कि आदेश जारी हो गए हैं। याचिकाकर्ता की तरफ से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पैरवी की।

बाजार भाव

इन्दौर सर्राफा बाजार

इन्दौर। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में कामकाज की मात्रा कम ही रही। दोनों कीमती धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे :-

चाँदी (9999) 71500, चाँदी (99) 71400, टंच 70800, सिक्का 750, सोना 10 ग्राम 60500,

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। आयातित मालों की नरमी से शुक्रवार को खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में बाजार बने रहे। मसूर में सुस्ती रही। किराना जिंसों में नारियल मजबूती पर रहा। गेहूं में मजबूती रही।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में आयातित माल लगातार दबाव में है। देशी मालों में यद्यपि आवकें सीमित है। इसके बावजूद बाजार में नरमी का वातावरण है। तिलहनों में टिकाव देखा गया। उधर, दलहनी जिंसों मं मसूर में सुस्त उठाव के बीच भावों में मामूली लटक रही। किराना जिंसों में नारियल मजबूती पर देखा गया। शक्कर में सुस्ती रही।

भाव इस प्रकार रहे :-

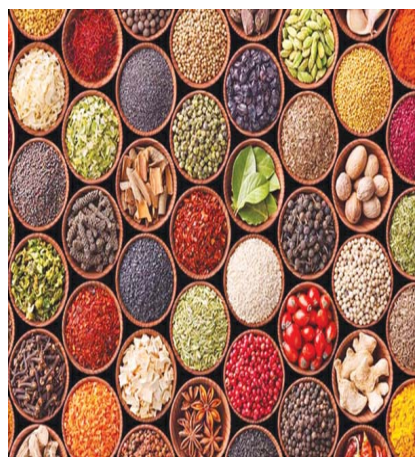

किराना :-

शक्कर 3730-3750, खोपरा गोला 118-135, खोपरा बूरा 2000-4100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 460-470, ऊंझा हल्का 470-475, मीडियम 490-500, बेस्ट 500-525, हल्दी निजामाबाद 90-110, सांगली 150-160, साबूदाना हल्का 6200-6250, मीडियम 6300-6400, बेस्ट 6500-6600, सच्चा मोती 6875, सौंफ मोटी 160-180, मीडियम 185-200, बेस्ट 220-250, सौंफ बार?क 190-225, कालीमिर्च एटम 520-522, गरबल 511-515, मटर दाना 565-575, खसखस अनक्लीन 675-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 250-275, बेस्ट 300, जायफल 675-700, बेस्ट 725-750, वाद्यान फूल 675-750, शाहजीरा 300-325, तेजपान 85-90, पत्थर फूल 325-375, बेस्ट 450-525, जावत्री 1950-2100, केसर 125-145, बेस्ट 155-165, सौंठ 190-225, धोली मूसली 975-1100, लौंग 680-710, बेस्ट 725-740, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-182, सिंदूर 6600, देशी कपूर 600-800, पूजा बादाम 90-100, बेस्ट 160-165, पूजा सुपारी 460-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 875-900, विरूद्ध नगर 1025-1075, मीडियम 1225-1325, बोल्ड 1425-1550, एक्ट्रा बोल्ड 1600-1825, पानबार 850-950, बड़ी इलायची 600-700, बेस्ट 725-875, तरबूज मगज 460-475, काजू (240) 650-660, काजू (320) 660-700, काजू डब्ल्यू वन 650-660, एस. डब्ल्यू (300) 650-660, एस.एस. डब्ल्यू 650-655, काजू जे.एच. 660-680, टुकड़ी 625-660, बादाम मगज 700-750, सिंगापुरी 630-640, अखरोट 385-425, बेस्ट 550-600, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 375-475, बेस्ट 500-550, इंडियन 190-200, बेस्ट 240-260, चारौली 1200, बेस्ट 1250, मुनक्का 475-725, बेस्ट 775-850, अंजीर 675-1250, मखाना 425-650, बेस्ट 740-750, खारक 90-110, मीडियम 115-150, बेस्ट 160-175, एक्ट्रा बेस्ट 180-200, पिस्ता मोटा 1675-1725, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1320-1340, मैदा कट्टा 1350-1370, रवा कट्टा 1450-1470, बेसन 3375 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 1550-1600, (160) 1600-1750, (200) 1850-1900, (250) 2000-2050

तेल :-

सींगदाना 1640-1660, मुम्बई 1640, राजकोट तेलिया 2590, सोया साल्वेंट 905-910, सोया रिफाइंड 940-945, कपास्या 890, धूलिया 895, कड़ी 900,

रात की धारणा :-

गुजरात लुज 1625, मुम्बई पाम 935, मुम्बई सोया 970,

खली :-

कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 1900, देवास-उज्जैन 1900, खंडवा-बुरहानपुर 1875, अकोला 2800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन :-

सरसो 5900-6100, रायडा 4600-4900, सोयाबीन 4800-5300, टोली (महुआ बीज) 4100-4150, अलसी 7500-7600,

दलहन :-

चना कांटेवाला बेस्ट 5050-5100, एवरेज 4800-4900, विशाल 4850-4950, काबूली चना बिटकी 6200-6500, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 5600-5625, एवरेज 5400-5500, मूंग देशी 7900-8000, पाला 8000-8100, चमकी 8100-8200, नायलोन 8200-8350, तुअर निमाड़ी बेस्ट 8200-8300, एवरेज 8000-8100, हल्की 7800-7900, तुअर महाराष्ट्र 8300-8600, उड़द बेस्ट 7900-8000, एवरेज 7700-7800, हल्की 7300-7400, शंकर 7400-7500,

दाल :-

चना दाल एवरेज 6600-6900, बेस्ट 7000-7100, तुअर दाल सवा नं. 10500-10600, तुअर दाल फूल 10900-11100, तुअर दाल बोल्ड 12000-12700, मसूर दाल एवरेज 7400-7500, बेस्ट 7600-7700, मूंग दाल 9600-9700, बोल्ड 9800-9900, मूंग मोगर 10000-10100, बोल्ड 10200-10300, उड़द दाल 9100-9200, बोल्ड 9300-9400, मोगर 9800-9900, बोल्ड 10000-10200,

अनाज :-

गेहूं मिल क्वालिटी 2150-2200, (147) 2250-2300, बेस्ट 2300-2350, लोकवन 2500-2550, बेस्ट 2550-2600, चन्द्रोसी 3100-3800, ज्वार देशी 2500-2650, मक्का पीली 2150-2200, गज्जर 2100-2150,

चावल :-

चावल हंसा सफेद 2400-2500, सेला 2600-2800, परमल 2550-2700, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7500, काली मुंछ 8000-8500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4000-6000, तिबार 9000-9500, बासमती (921) 11000-12000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 3800-4200,

मावा :-

इन्दौर 320, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

राज्य सेवा परीक्षा के जरिए 260 प्रशासनिक पदों की भर्ती प्रक्रिया शुरू

ओबीसी आरक्षण पर अंतिम निर्णय आने तक 87 पदों की ही चयन सूची जारी करेगा आयोग

भोपाल । पीएससी की राज्य सेवा परीक्षा पर लगी अघोषित रोक अब हटती नजर आ रही है। लंबे इंतजार के बाद गुरुवार से 2020 की मेन्स में सफल होने वालों के इंटरव्यू होंगे। इसके लिए पीएससी ने चार पैनल बनाए हैं। मप्र लोक सेवा आयोग (एमपी पीएससी) ने 2020 की राज्य सेवा परीक्षा के जरिए 260 प्रशासनिक पदों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की। इनमें डिप्टी कलेक्टर के 27 व डीएसपी के 13 पद है। इस परीक्षा के इंटरव्यू अब तक नहीं हो सके। ओबीसी आरक्षण का मामला कोर्ट तक पहुंचने के बाद बाकी भर्तियां भी अटकी रही है। कोर्ट के आदेश के इंतजार के बीच पीएससी ने 87-13 फीसदी का फॉर्मूला निकाला। इसके तहत 87 फीसदी पदों पर मुख्य और 13 फीसदी पदों की प्रावधिक सूची तैयार की जा रही है। 2020 के पद भी इसी फॉर्मूले के अनुसार बांट दिए गए। यानी आरक्षण पर फैसला होने तक 260 पदों में से 221 पद पर अभ्यर्थियों को चुना जाएगा। बाकी पदों पर चयन होल्ड रहेगा।

पीएससी के ओएसडी डॉ.रवींद्र पंचभाई ने बताया, इंटरव्यू के लिए 4 पैनल बनाए गए है। रोज 50 से 60 अभ्यर्थियों के इंटरव्यू होंगे। मालूम हो कि ओबीसी आरक्षण पर अंतिम निर्णय आने तक 87 पदों की ही चयन सूची जारी करेगा आयोग।

मेन्स के साथ जुड़ेंगे इंटरव्यू के अंक

मेन्स की परीक्षा 1500 अंकों की थी। मेन्स के रिजल्ट के आधार पर इंटरव्यू के लिए मुख्य सूची में 698 और दो प्रावधिक सूची में 265 अभ्यर्थी चुने गए है। इंटरव्यू 150 अंकों का होगा और मेन्स व इंटरव्यू के अंक मिलाकर मेरिट तैयार होगी।

571 पदों पर भी जल्द होगी भर्ती

इधर, पीएससी ने 2019 की राज्य सेवा परीक्षा की स्पेशल मेन्स का भी मूल्यांकन शुरू कर दिया है। 2019 की परीक्षा के जरिए 571 पद भरे जाना है। कोर्ट ने 2019 की भर्ती प्रक्रिया 6 माह में पूरी करने के आदेश दिए है। पीएससी अधिकारियों के अनुसार मई में मेन्स का रिजल्ट जारी कर जून-जुलाई में इंटरव्यू करा लिए जाएंगे। इसमें भी 87 फीसदी पदों की चयन सूची जारी होगी।

पांचवी-आठवीं परिणाम समय पर आना मुश्किल

भोपाल। पांचवी-आठवीं की बोर्ड पैटर्न पर परीक्षाएं 13 साल बाद आयोजित की गई थीं। अब उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन और इसके बाद प्रत्येक प्रश्न के नंबर पोर्टल पर दर्ज कराने की मशक्कत शिक्षकों को उलझन में डाल रही है। शिक्षक परेशानी से बचने के लिए कम्प्यूटर ऑपरेटर की मांग कर रहे हैं। 30 अप्रैल तक राज्य शिक्षा केंद्र की ओर से दोनों कक्षाओं का परिणाम जारी करना सुनिश्चित किया गया था, लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह संभव नहीं लगता है। हिंदी मीडियम की कॉपियां का तकरीबन मूल्यांकन अंतिम चरण में है, वहीं अंग्रेजी मीडियम की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन चल रहा है। इसके साथ समस्या यह है कि उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के बाद प्रत्येक प्रश्न के सिलसिलेवार नंबर पोर्टल पर दर्ज कराना है। यह शिक्षकों के लिए चुनौती बना हुआ है। इसके कारण समय पर परिणाम जारी करना संभव नहीं है। शिक्षकों को ऑनलाइन पोर्टल पर मोबाइल के माध्यम से उत्तरपुस्तिकाओं के नंबर दर्ज करना पड़ रहे हैं। कई जगह मूल्यांकन केंद्र व स्कूलों में नेटवर्किंग की समस्या भी है, जिसके कारण कार्य करना मुश्किल है। शिक्षक दिनभर मोबाइल और नेटवर्क के चक्कर में उलझे रहते हैं।

रणजीत हनुमान मंदिर

इंदौर में फूटी कोठी रोड पर स्तिथ रणजीत हनुमान मंदिर, जहां लोग अपनी जीत का आशीर्वाद लेने जाते हैं। यहाँ की विशेषता है की हनुमानजी ढाल और तलवार लिए विराजमान हैं। यह विश्व का एकमात्र ऐसा हनुमान मंदिर है जहां हनुमान जी अपने हाथ में ढाल और तलवार के साथ खड़े हैं और उनके चरणों में अहिरावण है। इस मंदिर की स्थापना सवा सौ साल पहले की गई थी। वैसे तो मंदिर स्थापना व इतिहास को लेकर कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। यह हनुमान प्रतिमा को देख कर लगता है की वे किसी युद्ध में जाने की तैयारी में हैं। पंडितों के अनुसार यहां कई राजा युद्ध लड़ने से पहले जीत का आशीर्वाद लेने आते थे और आज तक किसी की आशीर्वाद लेने के बाद हार नहीं हुई। आजकल लोग यहां परेशानियों का हल जानने के लिए आते हैं और साथ ही जीत का आशीर्वाद लेकर ही वापस जाते हैं।

अन्नपूर्णा मंदिर

इंदौर स्वाद का शहर है

यहाँ के स्वादिष्ट व्यंजन विश्व में अपनी पहचान बना चुके है हिन्दू धर्म में अन्न की देवी का नाम अन्नपूर्णा है, अन्नपूर्णा मंदिर इंदौर, हिंदूओं की देवी अन्न पूर्णा को समर्पित है आर्य व द्रविड़ स्थापत्य शैली के मिश्रण से बना मंदिर श्रद्धालुओं का आस्था का प्रतीक माना जाता है। प्रभानंद स्वामी 57 वर्ष पूर्व जयपुर से 3 फूट ऊंची मार्बल से बनी मां अन्नपूर्णा की प्रतिमा को लेकर आए थे, जिसकी स्थापना 21 फरवरी 1959 को 2 एकड़ में फैले इस मंदिर में की गई थी।

ओबीसी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट ने मप्र सरकार को जारी किया नोटिस

सभी पक्षकारों से भी मांगा जवाब, 12 मई को होगी अगली सुनवाई

जबलपुर (सद्भावना पाती)

मध्य प्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को लेकर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस असाउद्दीन अमानुल्लाह की बेंच में सुनवाई हुई। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल ने पक्ष रखा। उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई के लिए सभी पक्षों को नोटिस जारी किया है। अब 12 मई को अगली सुनवाई होगी। 12 मई को तय होगा कि केस सुप्रीम कोर्ट में चलेगा या नहीं।

दरअसल, ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पहले से ही 4 याचिका है पेंडिंग है, जिसके चलते मध्यप्रदेश हाईकोर्ट, मप्र सरकार से कई बार कह चुका है कि, सरकार पहले सुप्रीम कोर्ट में लगी याचिकाओं का निराकरण कराएं, उसके बाद ही मप्र

हाईकोर्ट में लगी 66 याचिकाओ पर हाईकोर्ट सुनवाई करेगा। हाई कोर्ट के निर्देश के बाद भी जब सुप्रीम कोर्ट में लगी याचिका का निराकरण नहीं हुआ तो, हाई कोर्ट ने सभी 66 याचिकाओं पर बारी-बारी से सुनवाई करने के बाद मध्य प्रदेश सरकार का पक्ष सुनने का निर्णय लिया था। इसके बाद मध्य प्रदेश सरकार ने हाईकोर्ट में लगी सभी 66 याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर करने की एक याचिका दाखिल कर दी। इस ट्रांसफर याचिका के पीछे सरकार ने यह मंशा जाहिर की है कि पहले से लगी सुप्रीम कोर्ट में चार याचिकाएं और मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में लगी 66 याचिकाओं की एक साथ सुनवाई की जाए ताकि उक्त विवादित मुद्दे को एक बार में सुप्रीम कोर्ट द्वारा निराकरण किया जा सके।

ये हैं मांग

सरकार की ओर से याचिका में मध्यप्रदेश शासन द्वारा यह राहत चाही गई है कि ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की बेंच द्वारा इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ के प्रकरण में अपहेल्ड किया गया है। दूसरी ओर इंदिरा साहनी के जजमेंट में यह भी व्यवस्था दी गई है कि कुल आरक्षण की 50 परसेंट की सीमा विशेष परिस्थितियों में बढ़ सकती है जो कि मध्य प्रदेश में की ओबीसी आबादी के हिसाब संभव है एवं इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ के निर्णय के पैरा नंबर 810 मैं व्यवस्था दी गई है कि यदि आरक्षण की सीमा किसी राज्य में 50 परसेंट से ऊपर बढ़ाई जाती है तो उसकी न्यायिक समीक्षा करने का अधिकार सुप्रीम कोर्ट को ही होगा, इन्हीं बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश शासन द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एक ट्रांसफर याचिका दिनांक 19 अप्रैल 2023 को दाखिल की गई है।

इंदौर, भोपाल, जबलपुर ग्वालियर सहित छह स्थानों पर कांग्रेस करेगी बड़ी चुनावी रैली

(सद्भावना पाती)

भोपाल। कांग्रेस मध्य प्रदेश में अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए सभी अंचलों में बड़ी चुनावी रैली करेगी। इनमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और प्रदेश के कई वरिष्ठ नेता हिस्सा लेंगे। इसके लिए भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा और सागर शहर प्रस्तावित किए गए हैं। इसके अलावा दतिया, उज्जैन, गुना और छिंदवाड़ा में भी बड़े कार्यक्रम होंगे। इनमें भी राष्ट्रीय पदाधिकारी भाग लेंगे। चुनाव अभियान समिति ने प्रस्तावित किया है कि प्रत्येक विधानसभा में एक बड़ी सभा की जाए ताकि पार्टी के पक्ष में माहौल बने और कार्यकर्ता उत्साहित हों।

प्रदेश कांग्रेस ने चुनाव अभियान को गति देने के लिए परिवर्तन संकल्प अभियान प्रारंभ करने का निर्णय किया है। 16 वरिष्ठ नेता इसका नेतृत्व करेंगे और सभी को अलग-अलग जिले भी आवंटित कर दिए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह उन विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं, जहां पार्टी को लगातार हार का करना पड़ रहा है। इन्हीं क्षेत्रों में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ के सम्मेलन भी आयोजित किए जा रहे हैं। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक सभा के बाद सितंबर-अक्टूबर में प्रदेश के सभी अंचलों में महारैली आयोजित की जाएगी ताकि पार्टी के पक्ष में माहौल बनाया जा सके और कार्यकर्ता उत्साहित हों। विंध्य और बुंदेलखंड में एक-एक रैली होगी। इसी तरह मालवा-निमाड़, ग्वालियर-चंबल, महाकोशल और मध्य भारत क्षेत्र में सभा प्रस्तावित की गई है। छिंदवाड़ा में भी पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सभाएं होंगी। प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रप्रभाष शेखर का कहना है कि चुनाव को लेकर पार्टी की सभी स्तर पर पूरी तैयारी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ जल्द ही कार्ययोजना को वरिष्ठ नेताओं से विचार-विमर्श करके अंतिम रूप देंगे।

सभी संभागीय मुख्यालयों पर होंगे सम्मेलन

उधर, पार्टी सभी संभागीय मुख्यालयों पर कार्यकर्ता सम्मेलन करेगी। प्रदेश कांग्रेस ने इसकी तैयारी प्रारंभ कर दी है। लगातार हारने वाली सीटों पर कार्यकर्ता सम्मेलन होने के बाद यह कार्यक्रम प्रारंभ होगा। इसमें स्थानीय नेताओं को आगे किया जाएगा।

भाजपा का अब भीड़ जुटाओ, शक्ति दिखाओ अभियान - सांसद विधायकों को दी जिम्मेदारी

भोपाल (सद्भावना पाती)

भाजपा ने मिशन 2023 फतेह करने की तैयारी तेज कर दी है। चुनाव को देखते हुए संगठन ने आगामी कार्यक्रमों को सांसद, विधायक एवं जिला पदाधिकारियों को निर्देश दिए हैं। पार्टी ने कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए गए हैं। पार्टी का फोकस अब बूथ को मजबूत करने और पार्टी की सभाओं व रैलियों में भीड़ बढ़ाने और ताकत दिखाने पर रहेगा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान लाडली बहना योजना के तहत लगातार प्रदेश में कार्यक्रम कर रहे हैं। अब भाजपा ने आगामी कार्यक्रम में 4 से 14 मई तक बूथ विजय अभियान और केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर 15 मई से 15 जून तक विशेष अभियान चलाने की रणनीति बनाई है। 10 मई से जनसेवा अभियान का दूसरा चरण फिर शुरू किया जा रहा है। इसको लेकर पार्टी ने जनप्रतिधियों और पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी अब कार्यक्रमों भीड़ जुटाकर शक्ति प्रदर्शन करेगी।

मन की बात के 100 वें एपिसोड

पर कार्यक्रम प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के 30 अप्रैल को 100 एपिसोड पूरे होने पर विधानसभा के 100 स्थानों और तीन बूथ के बीच एक पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में सामाजिक कार्यों में जुड़े लोगों, डॉक्टर, व्यापारी, वकील, उद्यमियों को कार्यक्रम में आमंत्रित करने और सम्मानित करने को भी कहा गया है। भाजपा की बैठक को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात के 100 एपिसोड पूरे होने पर पार्टी ने तैयारी की है।

सीएम जनसेवा अभियान 10 मई से

सीएम जन सेवा अभियान का दूसरा चरण 10 मई से 25 मई तक चलेगा। इसमें जनता की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। वहीं, वीडी शर्मा ने कहा कि 4 से 14 मई तक भाजपा बूथ विस्तार का महा अभियान चलाएगी। 51 फीसदी वोट शेयर के लिए बूथ एक्शन प्लान बनाया है। 30 अप्रैल को पीएम की मन की बात को उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। इसको लेकर सांसद, विधायक, मंत्रियों को जिम्मेदारी दी गई है।

नेताओं व कार्यकर्ताओं को साधने के निर्देश-- वहीं, सांसद व विधायकों को पार्टी ने नाराज वरिष्ठ नेता से लेकर कार्यकर्ताओं तक को साधने को कहा गया है। बता दें, वरिष्ठ नेताओं की रिपोर्ट में कई कार्यकर्ताओं ने जनप्रतिनिधियों द्वारा उनको तवज्जो नहीं देने की शिकायत की थी। इसको लेकर पार्टी ने अब उनको नसीहत दी है कि सभी साथ लेकर चलना है।

CONGRATULATIONS!
11वें वर्ष में प्रवेश होने पर
सद्भावना परिवार को
शुभकामनाएं

CONGRATULATIONS!
बधाईकर्ता:- राकेश भदौरिया, एडवोकेट

10 वर्ष पूर्ण होने पर
दैनिक सद्भावना पाती को
अनंत शुभकामनाएं
-:बधाईकर्ता:-
ओम गोस्वामी

11वें वर्ष में प्रवेश होने पर
सद्भावना परिवार को शुभकामनाएं
साहिल ठकराल
एक्सपर्ट डिजिटल मार्केटिंग एवं गूगल पार्टनर

बधाईकर्ता
आशीष मालवीय राजोरिया
पत्रकार
10 वर्ष
पूर्ण होने पर
दैनिक सद्भावना पाती को
शुभकामनाएं
CONGRATULATIONS!

Gyaan Sarita
Education is Power
SHIKSHAN AVM JANKALYAN SAMITI, INDORE
CONGRATULATIONS!
11वें वर्ष में प्रवेश होने पर
सद्भावना पाती अखबार को
शुभकामनाएं

10 वर्ष पूर्ण होने पर
दैनिक सद्भावना पाती को
अनंत शुभकामनाएं
-:बधाईकर्ता:-
मोहन ठाकुर

10 वर्ष पूर्ण होने पर
दैनिक सद्भावना पाती को
शुभकामनाएं

-:बधाईकर्ता:-
सोनम साहू (एडवोकेट)

11वें वर्ष में प्रवेश होने पर
दैनिक सद्भावना पाती को
शुभकामनाएं
-:बधाईकर्ता:-
डॉ. एस डी पाटीदार

दैनिक सद्भावना पाती
शनिवार ●29 अप्रैल 2023, इंदौर

लोकतंत्र की प्रहरी पत्रकारिता के सामने है

अस्तित्व का संकट

प्रबंध संपादक
इंदर प्रजापत (दादा)

बदलते परिदृश्यों एवं विपरीत परिस्थितियों के चलते पत्रकारिता पर अस्तित्व का संकट गहराने लगा है। लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली मीडिया को लोकतंत्र के अन्य स्तंभों से जो चुनौतियां मिल रही हैं वह पहले कभी ना देखी गई ना सुनी गई।

पत्रकारिता के पारंपरिक रूप को जब से तकनीकी का सहारा मिला उसका रंग रूप तो बदला पर "भरोसे" पर भी प्रश्न चिन्ह लगने लगा इन दिनों हम जो "गोदी मीडिया" शब्द सुनते हैं यह संकेत मात्र है... कार्यपालिका विधायिका और न्यायपालिका के जिन दुर्गुणों को सामने लाने का कार्य मीडिया का था अब वही तीनों तंत्र मिलकर उसका गला घोटने को तैयार है। कारण उनकी स्वेच्छाचारिता को मीडिया समझने लगा और उसी प्रकार की मांग भी करने लगा है। स्वस्थ पत्रकारिता करने वाले लोग, संस्थान अब गिनती के रह गए हैं। प्रतिस्पर्धा के इस युग में मीडिया के व्यवसायीकरण ने प्रहरी पत्रकारिता के लक्ष्य को मिटा दिया और चाटुकारिता, जी हजूरी वाले पत्रकार, पत्रकारिता को जन्म दे दिया है। सब कुछ खत्म हो गया हो ऐसा भी नहीं, आदर्श पत्रकारिता और लोकतंत्र से सरोकार रखने वाले समाचार पत्र, मीडिया संस्थान अपने अस्तित्व को बचाकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। उनका स्तर छोटा और सीमित जरूर है पर दीपक के भांति उनकी ज्ञान की लौ भौतिकवादी पत्रकारिता के अंधेरे में भी जगमगा रही है। सद्भावना पाती समाचार पत्र ऐसा ही एक दीपक है जो अपनी शक्ति सामर्थ्य, पत्रकारिता रोशनी से खुद को और पाठकों को भी राह दिखा रहा है। एक दशक से चल रहे इस यात्रा में नया आयाम जोड़ रहा है। मैं सदभावना पाती परिवार को उनके अप्रतिम प्रयास के लिए हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं। इसी संदेश के साथ आज जब लोकतंत्र के प्रहरी पत्रकारिता पर अस्तित्व का संकट है तब यह एक मिसाल के रूप में सामने आएगा।

समाचार पत्र और उसमें प्रकाशित सूचना न केवल लोकतंत्र बल्कि पारंपरिक पत्रकारिता को पुनर्स्थापित करेगी पाठकों के भरोसे पर...

धन्यवाद... सद्भावना पाती परिवार

किसी ऑर्गेनाइजेशन को एक व्यक्ति आगे नहीं बढ़ा सकता, उसे बड़ा करने के लिए एक संगठन की आवश्यकता होती है संगठन की शक्ति से मनुष्य बड़े-बड़े कार्य भी आसानी से कर सकता है। संगठन में ही मनुष्य की सभी समस्याओं का हल है।

सद्भावना पाती अख़बार खुशनसीब है कि प्रबंध संपादक के रूप में श्री इंदर प्रजापत (दादा), सलाहकार संपादक के रूप में श्री लक्ष्मीकांत पंडित का प्रेम और स्नेह मिलता है।

संरक्षक और मार्गदर्शक के रूप में श्री वीरेंद्र पांडे, श्री सुनील सिंह बघेल, श्री जोगेंद्र सिंह भदौरिया, श्री शिवांशु मालवीय श्री सुनील चतुर्वेदी (दादा), श्री रवि भदौरिया, श्री राजेंद्र मालवीय, श्री बीएस परिहार, श्री एसएस यादव, श्री पुष्पेंद्र वैध आदि का संरक्षण और मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

सदभावना पाती की जीवन उर्जा है, श्री सतेंद्र मिश्रा, सुश्री पूनम शर्मा, श्री अविनाश शर्मा, श्री विजेश पटेल, श्री योगेश (अक्षत) शाक्यवार, श्री देवेंद्र मालवीय (फोटो जर्नलिस्ट) एवं सभी पत्रकार, मार्केटिंग टीम, ओपरेटर, हाकर, और सभी सदस्य. आप सभी साथियों की मेहनत के कारण हम 10 वर्ष की लंबी यात्रा तय कर पाए आगे भी आपके कारण ही हम उन्नति करेंगे ।

एक दशक की सद्भावना यात्रा

10 वर्ष यानि एक दशक की यात्रा

मुझे याद है वो पहला दिन जब इस अख़बार की नींव रखी जानी थी। पंडित जी, देवेन्द्र भैया के साथ बैठ कर योजना बनाई कि कब और कैसे इसको प्रकाशित करना है, निर्णय हुआ, जबाबदारी निर्धारित हुई और चल पड़ी एक यात्रा। पहले ही दिन गुरुदेव की बात गाँठ बाँध ली कि एक दिन, एक साल में नाम और प्रसिद्धि नहीं पाना है पर एक दिन जरूर पाना है. कोई गलत राह पर चलने की सोच भी इस सदभावना में नहीं आ सकती यह भी पहले दिन ही फैसला हो गया। वर्तमान में अखबार का पेट पालना कितना कठिन है इस बात को मिडिया से जुड़ा हर शख्स जानता है फिर भी सभी का सहयोग मिलता है और यह अख़बार बेदाग़ छवि के साथ अपने 10 वर्ष पुरे कर 11 में प्रवेश कर गया है। हमारी यात्रा में साथियों के अलावा पाठकों का विश्वास हमारी ताकत है। अच्छा कंटेंट सरल भाषा में प्रस्तुत करना हमारा ध्येय रहता है। एक दशक की यात्रा को सफलतापूर्वक करने पर पाठकों, साथियों, और वरिष्ठों को बहुत बहुत शुभकामनाएं।

डॉ. सतेंद्र मिश्राः- विशेष संवाददाता

..... बीते पल .....

मीडिया और समाज दरकता विश्वास

**आहत विश्वास के चेतावनी काल से गुजरते हम

लक्ष्मीकांत पंडित
सलाहकार संपादक

कहा जाता है कि आवश्यकता अविष्कार की जननी होती है और इसी सिद्धांत को मीडिया में भी प्रतिपादित किया गया किंतु सूचना और संदेश की इस दुनिया में आवश्यकता के अनुरूप अविष्कार हुए किंतु उनके दुरुपयोग के चलते कहीं ना कहीं जो विश्वास समाज का मीडिया पर था उस पर ग्रहण लगता रहा और आज हम अमावस की दिशा में बढ़ रहे हैं दरअसल समाज का मीडिया से उतना ही सरोकार है जितना कि मीडिया का ,पारस्परिक आत्मनिर्भरता और एक दूसरे के प्रति समर्पण भाव जो पिछले दशकों में दिखता था वह अब नहीं रहा ।

इसमें कोई शक नहीं कि जब तक पत्रकारिता के सिद्धांत और पारंपरिक पत्रकारिता की डोर पत्रकारों के हाथों में थी तब तक समाज का अटूट विश्वास मीडिया पर था विशेषकर प्रिंट मीडिया के स्वर्णिम काल से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के प्रारंभिक काल तक जब समाज ने देखा कि अपनी व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा के चलते पत्रकारिता को मीडिया हाउस ने अपनी नीति रीती में डाल दिया है तो समाज ने भी परोक्ष रूप से अपने कर्तव्य से इतिश्री कर ली ऐसा नहीं कि सब कुछ खत्म हो चला है किंतु अब जो संबंध है वह सिर्फ निभाने के हिसाब से ही निभाए जा रहे हैं सामाजिक सरोकार और विकास की अवधारणा के भरोसे अब पत्रकारिता नहीं हो सकती उसमें कहीं ना कहीं व्यवसायिक तड़का लगाना आवश्यक हो गया है इसलिए पत्रकार जहां काम करते रहे वहां के रीति रिवाज चाल चलन और विचारधारा तक बदल दी गई है , शास्त्रीय पत्रकारिता के बदलाव की आहट समाज पहले ही जान चुका था किंतु वेबसाइट था के दर्पण में जब उसने पत्रकारिता का और मानवीय रूप देखा तो उसका विश्वास धड़कता रहा और यही कारण रहा कि वह पारंपरिक मीडिया को छोड़ सोशल मीडिया और उत्तर पत्रकारिता से जन्मे अन्य संसाधनों की ओर आकर्षित होने लगा दरअसल पत्रकारिता की आड़ में जो काम समाज में देखें तो उसे लगा कि यदि यही सब पत्रकारिता है तो व्यवसायिक संस्थान और पत्रकार संस्थान में अंतर क्या रहा ?

मिशन और कमीशन पत्रकारिता का दौर देख चुके आज के समाज को लगता है कि पत्रकार और पत्रकारिता जगत मैं कहीं ना कहीं भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है और चुकीं उसके सामाजिक सरोकार , जीवन यापन, नैतिक जिम्मेदारी और धर्म संस्कार से जुड़े गंभीर विषय पर इनका मत मतांतर चल रहा है तो कहीं न कहीं समाज को लगा कि अब पत्रकारिता के विकल्पों को तलाशना वाजिब होगा और यही कारण लग रहा है कि जब पत्रकार समाज में उठता बैठता है अपना परिचय देता है तब कहीं ना कहीं उसे तीखे शब्दों% तिरछी निगाहों और अपवाद वाली स्थितियों से गुजर ना पड़ता है दरअसल यह चेतावनी का दौर है और इस चेतावनी को समझ कर पत्रकारिता के सारे तंत्र को कहीं ना कहीं आत्म अवलोकन चिंतन मनन करना होगा और मानस बनाना होगा कि उसे कितने फ़ीसदी पत्रकारिता और कितने फ़ीसदी व्यवसायिक मूल्यों को अपनाना है ताकि समाज के समुच्चय में जो उसका अस्तित्व है वह हमेशा की तरह बना रहे ।

यदि हम और आप स्वस्थ पत्रकारिता की कामना करते हैं तो हमें एक अच्छे समाज को भी सामने रखना होगा क्योंकि जंगल में पत्रकारिता नहीं हो सकती यदि आप उस समाज के लिए एक अच्छा आदर्श पेश कर रहे हैं जो आप पर विश्वास रखता है तो यह रिश्ता लंबे समय तक चल सकता है लेकिन यदि आप समाज के विश्वास के दर्पण में किसी अलग ही रूप में सामने आएंगे तो कहीं ना कहीं विश्वास डगमग आएगा पत्रकारिता या पत्रकार को इस गलतफहमी या बुलावे में नहीं रहना चाहिए कि वह मन चाय समाज का निर्माण कर अपने हितों को साथ सकता है पत्रकारिता के मायनों में जो देश है जो नागरिक हैं जो उसके अधिकार हैं उसका सीधा संबंध समाज और समुदाय से ही होता है और यही कारण है कि संवैधानिक व्यवस्था के बावजूद लोकतंत्र में पत्रकारिता को चौथा स्तंभ माना गया है क्योंकि कहीं ना कहीं यह सेतु का काम करता रहा और कर रहा है किंतु विगत तीन-चार दशकों में बदले परिदृश्य के चलते कहीं ना कहीं अविश्वास की दीवारें खड़ी हो गई है जिसके चलते समाज और पत्रकारिता मैं अविश्वास की भावना बढ़ गई है समाज प्रतिष्ठा और मान देने में कोई कंजूसी नहीं करता किंतु यदि उसके विश्वास को व्यवसायिकता से तोला जाएगा तो कहीं ना कहीं उसकी नाराजगी झेलना पड़ेगी हम इसे चेतावनी का दौर इसलिए कह रहे हैं क्योंकि पत्रकारिता के विकल्प में समाज अन्य संसाधनों को तवज्जो देने लगा है चाहे वह उसके मनचाहे आदर्श प्रस्तुत ना करता हो ऐसी स्थिति में पत्रकारिता का नुकसान समाज के लिए भले ही तत्कालिक हानिकारक ना हो भविष्य में कहीं ना कहीं गंभीर त्रुटि साबित होगा इसलिए सभी को मिलकर इस और प्रयास करने होंगे कि समाज का पत्रकारिता पर विश्वास बरकरार रहे और वर्तमान काल की विषम परिस्थितियों का सामना दोनों मिलजुल कर आपसी समन्वय से करते रहे ।

दिशा मिली तो.. दशा बदली

विजेश पटेल
टेक्निकल डायरेक्टर

वैसे तो मेरा और पत्रकारिता का कोई नाता नहीं था लेकिन कहते हैं "दिशा सही हो तो दशा बदल जाती है" बस ऐसा ही कुछ मेरे साथ हुआ। मैंने अपना जीवन कॉलेज के एक सामान्य कर्मचारी के रूप में शुरू किया लेकिन यह शुरुआत मेरी बड़े भैया संपादक प्रधान संपादक देवेंद्र मालवीय जी के साथ हुई जहां मैंने उनसे अच्छा-बुरा, सही-गलत, उंच-नीच हर चीज के बारे में जाना। जहां-जहां मैं कमजोर हुआ वो मुझे सिखाते आए। मैंने उनसे ही जीवन के कई पहलुओं को सिखा, चाहे कॉलेजों का काम हो, कंप्यूटर का काम हो, कागजी उलझनें हो या बाहर की दुनिया के कोई गुत्थम गुत्थी। अब बात आती है पत्रकारिता की - मैंने पत्रकारिता की ए बी सी डी बड़े भैया देवेंद्र जी से सीखी जहां उन्होंने मुझे कलम से लिखने से लेकर कंप्यूटर पर एडिटिंग तक का ज्ञान सिखाया, जिस इंटरनेट के बारे में मैंने ज्यादा नहीं जाना था आज उस पर मेरी बहुत अच्छी कमांड है। ये सब उन्होंने ही सिखाया, मैं यह तो नहीं कह सकता कि मैंने भैया से ही सब कुछ सीखा, पर हां यह जरूर कह सकता हूं कि जब से सद्भावना पाती अखबार से जुड़ा हूं तब से कार्य संबंधित कई आयामों को छूने का प्रयास मैंने किया है जिसमें देवेंद्र भैया ने मुझे पूरा योगदान और मार्गदर्शन दिया है। आज मैं जहां भी हूं जो भी हूं उसमें सद्भावना पाती अखबार का बहुत बड़ा हाथ है। आज हम सदभावना पाती अखबार के 10 वर्ष पूर्ण करके 11 वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। मुझे इसकी बहुत खुशी है और मैं आशा करता हूं हमारी पूरी टीम इसी तरह सदैव एकजुट होकर कार्य करती रहे, आगे बढ़ती रहे और सद्भावना पाती के नाम को सार्थक करती रहे।

मैं, अखबार और एक बड़ा सा कम्प्यूटर....

योगेश शाक्यवार (अक्षत)
क्रिएटिव डिप्टी डायरेक्टर

कंप्यूटर और अखबार से मेरा बहुत पुराना नाता है या फिर यूं कह दूं कि जब से कंप्यूटर सीखा है सिर्फ अखबार ही बनाया है। मैंने कई अखबारों में काम किया लेकिन मुझे लगता है कि सद्भावना पाती अखबार जैसा मीडिया समूह ना तो पहले कभी मुझे मिला और वर्तमान समय को देखकर लगता है आगे कभी मिलेगा भी नहीं। पेज डिजाइनर या डीटीपी ऑपरेटर की अखबार में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है क्योंकि कब, किस खबर के कौन से पक्ष को सामने लाना है, हाईलाइट करना है यह पूरी जिम्मेदारी संपादक और पेज डिजाइनर की होती है। हालाँकि मार्गदर्शन पूरा संपादक का ही होता है लेकिन पेज डिज़ाइनर के भी अपने कुछ विचार, अनुभव और नज़रिये होते हैं जहां वह खबर को सिर्फ पढ़ता ही नहीं है, कुछ मिनटों तक जीता भी है जब तक वह उस खबर की डिजाइनिंग और डेमोंस्ट्रेटिंग तय करता है। आज के समय में किसी भी गैर वयवसायिक अख़बार समूह को अपना अस्तित्व बचाना ही कठिन है, ऐसे में सद्भावना पाती अखबार सार्थक होता नज़र आता रहा है। इस अख़बार में काम करने का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यही है कि यह किसी भी राजनीतिक दल, माफिया या अन्य किसी की चाटुकारिता नहीं करता बल्कि अपने मूल कर्तव्य पर तटस्थ रहकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करता है। खबर की सत्यता को निष्पक्ष और निर्भीक रूप से सामने रखने का जो साहस यहां है वह कहीं देखने को नहीं मिला। सद्भावना पाती में कई तरह के दौर आये और सब में कुछ ना कुछ अलग सीखने और करने का अवसर प्राप्त हुआ। सद्भावना पाती मेरे लिए सिर्फ एक अखबार नहीं बल्कि एक गुरु भी है क्योंकि उसने मुझे सिर्फ खबरों के ही नहीं, जीवन के भी कई अनछुए पहलुओं को सीखने का मौका दिया। मेरी यही इच्छा रहेगी कि सालों साल मैं इस अखबार के लिए अपना समर्पण देता रहूं और सद्भावना पाती अखबार की छवि भी इसी तरह साफ और स्वच्छ बनी रहे।

आज हम 11 वे वर्ष में सफलतापूर्वक प्रवेश कर रहे हैं

अविनाश शर्मा
क्रिएटिव डायरेक्टर

बीते 11 वर्षों में सद्भावना पाती की टीम ने पत्रकारिता को एक नया मुकाम देने की कोशिशकी और देश में पहला डिजिटल न्यूज़ पेपर लांच किया। हमारा लक्ष्य पत्रकारिता से लाभ कमाना नहीं रहा बल्कि पाठको को खबरों से रूबरू करना और सच्चाई से जोड़े रखने की निरंतर कोशिश रही।

सद्भावना पाती की पूरी टीम ने हमेशा यही प्रयास किया है कि सच्चाई की आवाज को बुलंद किया जाए। आज पत्रकारिता व्यवसाय बनता जा रहा है वहीं हमारा प्रयास यही रहा की हम देश के चौथे स्तंभ को इस बाजार से बाहर लाए ताकि पाठक को केवल खबर ही पढ़ने को मिले।

सद्भावना पाती अखबार ने हर उस खबर को स्थान दिया जिसका आम लोगों को जानना जरूरी था और वो पाठक का अधिकार भी है। सदभावना पाती ने राजनीति, खेल, शिक्षा, व्यापार और नवीन जानकारियों का संग्रह एक ही दस्तावेज में देने का निरंतर प्रसास किया। आधुनिकता बनाए रखने के लिए हमने डिजीटल अखबार आपके मोबाइल पर पहुंचाया ताकि आप खबरों से जुड़े रहे।

आप सभी पाठकों का स्नेह और सहयोग हमे निरंतर मिलता रहा उसके हम आभारी है और आगे भी आप का सहयोग मिलता रहेगा ऐसी अपेक्षा करते है।

मेरा 'सद्भावना' सफर...

पूनम शर्मा (सह. संपादक)

"मैं सद्भावना में हूँ, सद्भावना मुझमें है"

सद्भावना यानी छल-कपट, द्वेष रहित किसी के हित की या मंगल कामना करना। अपने नाम को चरितार्थ करता सदभावना पाती अखबार सिर्फ एक अखबार ही नहीं, यह एक परिवार है जिसमें इससे जुड़े सभी सदस्य, स्टाफ व अन्य लोगों में सिर्फ व्यापार की भावना नहीं, बल्कि मिलजुल कर द्वेष रहित कार्य कर आपस में मित्रवत व सहायक रवैया अपनाकर कैसे परिवार को संपन्न व समृद्ध बनाया जाता है, आगे बढ़ाया जाता है; यह सिखाया गया है। यहां संपन्न व समृद्ध का मतलब सिर्फ आर्थिक ही नहीं बल्कि मानसिक व वैचारिक भी है।

भावना तो हर व्यक्ति में होती है लेकिन उसे सद्भावना में तब्दील करने का कार्य सदभावना पाती पिछले 10 सालों से करता आ रहा है। यहां मैं बात करूं मेरे सदभावना सफर की तो बंदगी (नौकरी) तो कई जगह की लेकिन सदभावना पाती में सिर्फ बंदगी नहीं की, यहां मेरी परवरिश हुई। जैसे घर परिवार में हमारी निजी जीवन के लिए परवरिश होती है ऐसे ही सद्भावना में मेरी परवरिश व्यापारिक, मानसिक और सामाजिक तौर पर हुई। पिछले लगभग 7-8 सालों में मैंने खुद में एक आमूलचूल परिवर्तन महसूस किया। अपनी लगभग हर गतिविधि में मैंने एक सदभावना को पाया।

मुझे यह बताने में बहुत प्रसन्नता और गर्व महसूस हो रहा है कि मैं सद्भावना में पली-बढ़ी। आज हमने (सद्भावना पाती अखबार) ने सफलतम 10 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं और 11 वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। जब से सद्भावना पाती अखबार शुरू हुआ तब से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से मैं इससे जुड़ी हुई हूं। पिछले 10 सालों में कई तरह के दौर हमने देखे, कई उतार-चढ़ाव भी आए लेकिन हर परिस्थिति में खुद को मजबूत रखकर विश्वास के साथ आगे बढ़ना ही हमें सिखाया गया। हालत कैसे भी रहे हो कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा, आज उसी का परिणाम है कि सद्भावना पाती का पूरा परिवार (स्टाफ- रेगुलर/पार्ट टाइम/अन्य सभी) एक साथ एक जगह पर है। संपादक जी द्वारा समय-समय पर सभी को कार्यानुरूप पदोन्नति व वेतन वृद्धि मिली। मेरे सह-संपादक होने के नाते अक्सर अपने अधीनस्थों के साथ कई बार विचारों और कार्य को लेकर मतभेद भी हुए जो कि जायज है, क्योंकि "चार बर्तन होंगे तो बजेंगे ही" लेकिन संपादक जी ने सद्भावना को साकार करते हुए सभी के बीच सदैव सामंजस्य बैठाने का कार्य भली भांति किया और पनपते मतभेद को कभी मनभेद में तब्दील नहीं होने दिया। संपादक जी की यही रीतियां-नीतियां उन्हें अन्य संपादकों और मालिकों से अलग, बेहतर और आदर्श बनाती हैं।

"मैं सद्भावना पाती में हूं इसलिए पत्रकार हूं, पत्रकार हूं इसलिए सदभावना पाती में नहीं हूं"

हम सब जानते हैं वर्तमान में लोकतंत्र का चौथा स्तंभ "पत्रकारिता" अपना मूल कर्तव्य छोड़कर व्यापारिक और राजनीतिक गठजोड़ के समंदर में डुबकी लगा रहा है लेकिन आज भी कुछ ऐसे मीडिया समूह पत्रकार हैं जो अपनी सत्य की राह पर तटस्थ हैं और व्यावसायिक दृष्टिकोण को प्रेरक अपने पत्रकारिता के मूल कर्तव्य का पालन करने में जरा भी नहीं डगमगाते।

कोरोना का दौर भी चुनौतीपूर्ण रहा

कोरोना यह वह शब्द है जिससे देश दुनिया का एक भी व्यक्ति अनजान नहीं है। इसका भयावह रूप हम सबने देखा है। कोरोना का चरम और भयानक दौर 2 मार्च 2020 से लगभग 2022 के सितंबर तक रहा जिसमे मौत का तांडव हुआ, हर जगह जिंदगी से जूझते कई लोग देखे गए। एक मीडियाकर्मी होने के नाते मेरा अनुभव भी उस दौरान कुछ कम नहीं रहा। जहां एक तरफ पूरे देश में तालाबंदी, हर गली चौखट पर पसरा सन्नाटा, लोगों की आंखों में कोरोना जैसी महामारी का डर, उस बीच बीमारी के डर के साथ अपना मीडियाकर्मी होने का फर्ज निभाना किसी युद्ध में लड़ने से कम नहीं था। घर बाहर दफ्तर एक जेल की कैद की तरह लगता था क्योंकि साथ में बैठने की, किसी को छूने की, हाथ मिलाने की छूट नहीं थी, डर था कि कहीं छूने या पास जाने से कोरोना न जकड़ ले। ऐसे में बाहर जा के रिपोर्टिंग करना, मरीजों के बीच जाकर काम करना बहुत ही चुनौतीपूर्ण रहा। इसी के चलते मैं खुद भी कोरोना की गिरफ्त में आ गई। दूसरी लहर में भी कोरोना ने जकड लिया, पर जीवन है तो सब चलता है। हालांकि संपादक हमारे बड़े संवेदनशील है, सबका बहुत ख्याल रखते है, जैसा की मैंने बताया कि "सद्भावना पाती अखबार सिर्फ एक अखबार ही नहीं, यह एक परिवार है" इसलिए उनकी तरफ से किसको कोई प्रेशर नहीं था कि फील्ड रिपोर्टिंग ही करना है, घर से काम करने की भी इजाजत थी। इस दौरान भी उन्होंने अपने सद्भावना वाले व्यवहार को कायम रखा।

सद्भावना की पातियां

सद्भावना पाती

महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न : नहीं हो रहा पॉश एक्ट का पालन, संस्थान उड़ा रहे नियमों की धज्जियाँ

सद्भावना पाती

नमस्कार इंदौर दूरदर्शन केंद्र में आपका स्वागत है...

दूरदर्शन यानी दूर के दर्शन

सद्भावना पा

गोडसे विकास श्रीवास्तव से सद्भावना पाती का एक्सक्लूसिव इंटरव्यू

'द गांधी मर्डर' फिल्म विवादों के घेरे में

सद्भावना पाती

नर्सिंग कॉलेजों के हमाम में सब नं

यहां कुएं में ही नहीं बल्कि फ़िज़ाओं में भी भांग घुली हुई है..

नर्सिंग कॉलेज फर्जीवाड़ा

"Thinking is difficult, that's why most people judge."

सद्भावना पाती

किसी भी ख़बर को छुए और देखें उसका पूरा वीडियो

बाहर झोलाछाप, अस्पताल के अंदर ओरिजिनल डॉक्टर

आखिर माजरा क्या है ??

अस्पताल में भ्रष्टाचार पार्ट -1

कम से कम पैसों में

यह बीएचएमएस आयुर्वेदिक डॉक्टर

मिल सके ....

विधि विशेषज्ञ महापौर जी

उल्टे हैलोजन को सीधा करें हमारा जीना दूभर है-

सद्भावना पाती

जांच की आंच के बीच विसंगतियों में झूलते नर्सिंग कॉलेज, हजारों छात्रों का भविष्य अंगारों पर

क्या है विसंगतियां

सद्भावना पाती

लूट, भ्रष्टाचार और बदसलूकी का "आकाश हॉस्पिटल"

आप झोलाछाप कह सकते हैं

मैं इस अस्पताल में दोबारा नहीं आऊँगी

कर्मचारियों का अनुभव शून्य है

ऐसे डॉ की वजह से हमें अवॉर्शन की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है

धिक्कार है ऐसे डॉक्टरों पर इनकी नैतिकता और अस्पताल पर

विचार

अजब नर्सिंग की गजब कहानी

कहीं छात्रों का टोटा तो कहीं ओवरलोड का लोचा

देवेंद्र मालवीय

सद्भावना पाती

ऑपरेशन 'डमी एडमिशन'

खूब फल-फूल रहा हजारों करोड़ों के डमी एडमिशन का गोरख धंधा, स्कूल कोचिंगों की मिलीभगत से हो रहा छात्रों का जीवन ख़राब

धन्यवाद मुख्यमंत्री जी

सद्भावना पाती के स्टिंग ऑपरेशन को मिली सफलता

शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को मेडिकल में प्रवेश पर 5 प्रतिशत आरक्षण: मुख्यमंत्री ने की घोषणा

डॉ. देवेन्द्र
9827622204

इंदौर. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार दिनांक 23 मार्च को भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को मेडिकल प्रवेश में आरक्षण को लेकर घोषणा की उन्होंने कहा मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के रिजल्ट की दो लिस्ट बनेगी। एक सामान्य लिस्ट बनेगी, एक सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए 5 परसेंट का आरक्षण देकर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि 95 प्रतिशत सामान्य नीट के आधार पर लिस्ट बनेगी। 5 प्रतिशत सरकारी स्कूलों के बच्चों को आरक्षण दिया जाएगा।

सद्भावना पाती अख़बार ने

कोचिंग और प्राइवेट स्कूलों की मिलीभगत से चल रहे डमी एडमिशन के खेल का स्टिंग ऑपरेशन कर यह खुलासा किया था

किस तरह प्राइवेट स्कूलों के विद्यार्थी फर्जी एडमिशन लेकर पूरे समय कोचिंग में पढ़ाई कर नीट और जेईई की परीक्षा में ज्यादा सेलेक्ट हो रहे हैं इस कारण शासकीय स्कूलों में पढ़ रहे विद्यार्थियों का सिलेक्शन नहीं हो पाता है।

इस मुद्दे को लेकर सदभावना पाती लगातार शासन को शिकायत करता रहा जिसका परिणाम ये हुआ कि 23 फ़रवरी को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा कर दी कि शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को एक निश्चित सीमा तय कर मेरिट लिस्ट के आधार पर मेडिकल और इंजीनियरिंग में प्रवेश पर आरक्षण दिया जाएगा. जल्द ही इस संदर्भ में नियम घोषित किये जाएँगे।

स्टिंग ऑपरेशन की मूल भावना यह थी

शासकीय स्कूल में पढ़ रहे विद्यार्थियों के भविष्य पर अतिक्रमण किया जा रहा था

जिसे माननीय मुख्यमंत्री जी ने समझा और विद्यार्थियों के हित में घोषणा की. इसके पूर्व में सरकार गरीब और प्रतिभावान छात्रों की इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई की फीस भरने का भी फैसला कर चुकी है।

इन स्कूल और कोचिंग का खुलासा किया जा चुका है.

पायनियर कान्वेंट स्कूल, स्कॉलर्स यार्ड स्कूल, सीता देवी स्कूल आयाम कोचिंग, नारायणा कोचिंग, कैटेलाईज़र कोचिंग

कई अन्य..

एक निवेदन और

सद्भावना पाती मुख्यमंत्री जी से एक निवेदन और करती है कि डमी प्रवेश करने वाले स्कूलों की मान्यता निरस्त कर संचालकों को जेल भेजें और लुटेरे कोचिंग संस्थानों पर उचित कानूनी कार्रवाई करवाएं।

क्या था स्टिंग ऑपरेशन में

शासकीय स्कूलों के गरीब रेगुलर विद्यार्थी जो पूरे 2 वर्ष 11वीं एवं 12वीं की परीक्षा के साथ एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी करते हैं वहीं डमी स्कूलों के विद्यार्थी पूरे समय सिर्फ एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर ज्यादा अच्छा रिजल्ट निकाल प्रवेश परीक्षाओं में सफलता पाकर उन गरीब छात्रों के भविष्य पर अतिक्रमण कर लेते हैं ऐसे में शासकीय स्कूलों के गरीब विद्यार्थियों का मेडिकल और इंजीनियरिंग में प्रवेश मिलना कठिन हो जाता है।

अनेकों संस्थानों में सदभावना पाती द्वारा स्टिंग ऑपरेशन किया गया और पाया कि कोचिंग और प्राइवेट स्कूल खुलेआम डमी प्रवेश का खेल खेल रहे हैं

इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए दसवीं कक्षा के कई उत्तीर्ण गैर-उपस्थित स्कूलों में ग्यारहवीं कक्षा में प्रवेश लेते हैं धंधेबाज कोचिंग वाले स्कूलों और भ्रष्ट अधिकारियों से मिलकर लाखों विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं. वहीं गैर-अटेंडिंग स्कूल छात्रों को कैंपस लाइफ से भी वंचित कर रहे हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2080, शाके 1945, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पूर्वे तिथि नवमी, शनिवासरे, अश्लेषा नक्षत्रे, गंडयोगे, कौलवकरणे, कर्क की चंद्रमा, जानकी नवमी, वैष्णोत्सव, अगस्त तारा अस्त तथापि सुबह उत्तर दिशा की यात्रा दोपहर बाद पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल तथा स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, शासक तथा प्रशासक, उत्तम वृत्ति वाला, जिद्दी हठी, सैनिक, सेनापति तथा कर्नल बिग्रेडियर तथा सेना नायक, लडाकू तथा कार्यशील लाभकारी होवेंगा।

मेष राशि -

व्यापार में प्रगति, यात्रा सुख, खर्च अधिक होंगे, व्यर्थ का विरोध होता रहेगा।

वृष राशि -

कलह, अभिष्ट सिद्ध, धन लाभ, चिन्ता, शारीरिक सुख, मांगलिक कार्य, अवरोध हों।

मथुन राशि -

भय, व्यापार लाभ, रक्त विकार, सामाजिक कार्यें में व्यवधान, परेशानी बढ़ेगी।

कर्क राशि -

विद्या बाधा, व्यापार मध्यम, चिन्ता, धार्मिक कार्य में एवं शुभ कार्यों में विरोध।

सिंह राशि -

स्त्री संतान सुख, यात्रा बाधा, विवाद, आर्थिक सुधार होवे, प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या राशि -

भूमि लाभ, प्रवास कष्ट, व्यय भार बढ़ेगा, शुभ समाचार, प्रसन्नता का योग है।

तुला राशि -

कारोबार मध्यम, सफलता, स्त्री कष्ट, व्यर्थ अनाप शनाप खर्च से परेशानी बढ़ेगी।

वृश्चिक राशि -

थोड़ा लाभ, खेती चिन्ता, उलझन, शिक्षा की स्थिति सामान्य लाभदायक रहेगी।

धनु राशि -

घरेलू सुख, हानि, उन्नत खेती योग मध्यम, कुछ अच्छे कार्य अवश्य ही बनेंगे।

मकर राशि -

हर्ष, भूमि लाभ, यश, कारोबार बढ़ेगा, कारोबार में व्यवधान बढ़ा चढ़ा रहेगा।

कुंभ राशि -

मानसिक विभ्रम उद्विघ्नता रखें, तथा मानसिक असमंजस की पीड़ा से बचें।

मीन राशि -

विद्या बाधा, विवाद चोरों से भय, पारिवारिक लोगों से लाभ तथा सफलता मिलेगी।

वट सावित्री व्रत और पूजन 19 मई को

वैवाहिक जीवन में आती हैं खुशियां

हिंदू धर्म में कई ऐसे व्रत हैं जो महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और खुशहाल वैवाहिक जीवन की कामना से करती है। इसमें से एक है वट सावित्री का व्रत। जो शादीशुदा महिलाओं के लिए बेहद ही खास माना जाता है। इस व्रत को करने से अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है और वैवाहिक जीवन में भी खुशियों का आगमन होता है।

धार्मिक पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि पर वट सावित्री का व्रत किया जाता है इस दिन सुहागिन महिलाएं व्रत रखती है और वट वृक्ष की विधिवत पूजा करती है। इस व्रत को करवाचौथ व्रत जितना ही पुण्यदायी माना गया है। इस दिन बरगद के पेड़ की पूजा कर उसकी परिक्रमा की जाती है और उसके चारों ओर कलावा बांधा जाता है। मान्यता है कि किसी भी पूजा को शुभ मुहूर्त में अगर किया जाए तो इसके पूर्ण फल साधक को मिलता है तो आज हम आपको वट सावित्री व्रत पूजा का शुभ समय बता रहे हैं तो आइए जानते है।

वट सावित्री व्रत की तारीख और मुहूर्त-

धार्मिक पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि का आरंभ 18 मई की रात्रि 9 बजकर 42 मिनट से हो रहा है जिसका समापन 19 मई की रात 9 बजकर 22 मिनट पर हो जाएगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार वट सावित्री व्रत और पूजन 19 मई दिन शुक्रवार को करना उत्तम रहेगा। मान्यता है कि इस दिन शुभ मुहूर्त में पूजा पाठ करने से वैवाहिक जीवन में खुशहाली आती है और पति पत्नी के बीच बढ़ रहे तनाव भी समाप्त होने लगते है इसके अलावा अखंड सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद भी मिलता है।

11वें वर्ष
प्रवेश होने पर
दैनिक सद्भावना पाती को
शुभकामनाएं

-: बधाईकर्ता :-
डॉ. चेतन रायकवार
कैरियर काउंसलर

CONGRATULATIONS!

सद्भावना से है आम जनमानस की अपेक्षा

एक लेख जो सदभावना पाती अखबार बखूबी सार्थक करता है

जोगेंद्र सिंह भदौरिया

सर्वव्यापी-न्यायकारी ईश्वर की अपनी संतानों से एक ही अपेक्षा रहती है कि जो सामर्थ्य देकर हमने इसे धरा पर भेजा है, जितनी शक्ति देकर मैंने इसे दुनिया में भेजा है, उस पर स्थिर हो करके जड़ तो नहीं बना जा रहा, सदुपयोग तो कर रहा, अथवा अपनी शक्ति सामर्थ्य घटाकर रोता कलपता जीवन तो नहीं गुजार रहा है।

कोच, जो ऊँचाईयां दिलाते हैं

यदि ईश्वर को किसी के जीवन में स्थिरता-जड़ता नजर आती है, तो वह क्षमता तराशने के लिए सबसे पहले उस व्यक्ति को उसकी क्षमता अनुसार संघर्षों से जोड़ देता है। जो व्यक्ति अपनी सूझबूझ से इन परिस्थितियों-कठिनाईयों से बाहर निकलने में कुशल होता है, उसमें अपनी भक्ति के आसन पर बैठने की प्रेरणा भरता है, जिससे फिर कभी वह न तो जड़ता का शिकार हो, न ही पुन: कठिनाइयों में घिरे। इसीलिए कहते हैं कि जिन्दगी में जब-जब समस्यायें आयें, तो उसी ईश्वर को याद करना-पुकारना चाहिए, जिसने हमें इस धरा पर भेजा है। साथ ही अंदर से यह भाव जगाना चाहिए कि परमात्मा अवश्य हमारे लिए इससे बेहतर करने वाला है। इस प्रकार धैर्य-हिम्मत रखकर, शान्त भाव से आयी हुई चुनौती का सामना करना चाहिए।

समस्या है तो समाधान जरूर होगा, समस्या से जूझेंगे तो शक्ति जागृत होगी

कहावत है कि "समस्या है तो समाधान जरूर होगा, समस्या से जूझेंगे तो शक्ति जागृत होगी।" वास्तव में कोई भी व्यक्ति मैदान में उतरते ही चैम्पियन नहीं बनता, उसे जूझना पड़ता है, नित्य अभ्यास करना पड़ता है, कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। अपने कोच से दाव-पेंच सीखने पड़ते हैं। कई हारें मिलती हैं, कई बार मुंह के बल गिरना पड़ता है, चोटें लगती हैं। इस प्रकार हार खाकर चिंतन करने पर उसे अपने गुरु के निर्देशन याद आते हैं, फिर उसे अपनी गलतियों पर ध्यान जाता है। जैसे ही चूकें समझ में आती हैं, आंखें चमक उठती हैं, होठों पर मुस्कान खिल आती है, अंत:करण आलाद से भर उठता है। इस प्रकार सूझबूझ के साथ पुन: प्रयास करते ही उसे सफलता मिलती है। आत्मबल जागते ही ईश्वर का जीवन में हर पल साथ होने का अहसास होने लगता है। इस प्रकार नये रास्ते खुल पड़ते हैं, जीवन स्तर ऊंचाई छूने लगता है, भाग्य करवटें लेने लगता है। इन सभी परिस्थितियों, पंक्तियों और चुनौतियों पर सदैव खरा उतरता है सद्भावना पाती अख़बार। सूझबूझ के साथ किस तरह प्रयासों को फलीभूत किया जाता है ये सदभावना पाती से सीखने योग्य है। सद्भावना पाती से आम जानमानस की कई अपेक्षाएं है जिन्हे निष्पक्षता और निर्भीकता से किये जाने की उम्मीद लगाई गई है। सदभावना सदैव ऐसे ही आगे बढ़ता रहे यही ईश्वर से कामना।

समलैंगिक विवाह पूर्णतः अप्राकृतिक एवं अधार्मिक

डॉ बालाराम परमार हॅसमुख

समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता का मुद्दा भारतीय समाज, धर्म और संस्कृति से लेकर न्यायालय और संसद सभी के लिए वलंत विमर्श का विषय बना हुआ है। 21वीं सदी का यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे यदि कानूनी मान्यता मिल जाती है तो आने वाले समय में भारतीय समाज और संस्कृति में अर्थ का अनर्थ हो जाएगा। वर्तमान में इसके पक्ष में सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर मोदी सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता पर केंद्र सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए इस अप्राकृतिक एवं अमानवीय संबंध पर विरोधात्मक विचार रखते हुए स्पष्ट किया है कि *भारत की परंपरा विधायी नीति में परंपरागत पुरुष और परंपरागत महिला को मान्यता दी गई है। भारतीय विवाह कानून 1951 कहता है कि एक पुरुष और एक महिला के बीच एक सामाजिक मान्यता के आधार पर पवित्र मिलन है। भारतीय प्राचीन वेद पुराण में विवाह को स्त्री- पुरुष में साहचर्य, संतानोत्पत्ति और मुक्ति माना है।

लगभग इसी तरह के विचार अन्य भारत के बाहर के धर्मों में भी देखने को मिलते है। सभी समाज, धर्म और सभ्यता- संस्कृति में भी विवाहित स्त्री -पुरुष को एक दूसरे के लिए सुख- दु:ख में समान रूप से जिम्मेदार और भागीदार निरुपीत किया हैं। प्रकृति में भी प्राकृतिक योनी का बिना किसी दबाव के अधिक जिम्मेदार, आनंदमय फलदाई और संतोषजनक जीवन जीने की अवधारणा है विवाह। बाईबल में कहा गया है कि प्रथम विवाहित जोड़ा आदम और हव्वा है तथा समलैंगिक विवाह मनुष्यों के सबसे भ्रष्ट और बुरे कर्मों में से एक है। इब्राहीम परंपरा से प्रभावित संतों ने समलैंगिक कृत्यों और संबंधों की निंदा की है और इस मामले में दण्ड लागू करने की बात कही है। कुरान के अनुसार इंसान के लिए शादी करना प्राथमिक अनिवार्य कर्तव्यों में से एक है। शादी करना इस्लामी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। शादी करना इस्लाम में एक इबादत माना गया है। व्यभिचार और समलैंगिकता में ऐसी भ्रष्टता, खराबी और बुराई है जो सृष्टि रचना और आज्ञा में अल्लाह तआला की तत्वदर्शीता के विरुद्ध और विपरीत है। समलैंगिकता मुस्लिम देशों और अफ्रीका के साथ साथ एशिया के कुछ भाग तथा रूस में व्यापक रूप से अस्विकृत है ।

भारतीय सामाजिक एवं धार्मिक दृष्टिकोण समलैंगिकता विवाह, यौन इछापूर्ति गतिविधि और स्त्री- स्त्री अथवा पुरुष-पुरुष में कामेछा संबंधित किसी भी प्रकार की गतिविधियों को पूर्ण रूप से अस्वीकार करता है। इसलिए भारत में और भारत के बाहर भी समलैंगिक विवाह को कानूनी दर्जा नहीं दिया जाना चाहिए !!

ईश्वर ने स्त्री पुरुष यौनी को ही सृष्टि की वृद्धि के लिए बनाया है और फिर भारत एक सनातनी धर्म का अनुयाई देश है। जहां राम,कृष्ण, गौतम बुद्ध, महावीर स्वामी जैसे महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने भारतीय संस्कृति व सभ्यता को जतन से गढ़ा और प्रगाढ़ किया है। करोड़ों वर्षों के अनुभव के आधार पर पति- पत्नी के रिश्ते को पवित्र मानकर स्थाई गृहस्थी बसाने, चलाने और मृत्यु पर्यंत निभाने की प्रथा का प्रादुर्भाव किया है।

सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक स्तर पर देखा-परखा जाए तो समलैंगिक विवाह करने पर माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी जिन्होंने बालक या बालिका को जतन से हृदय का टुकड़ा समझकर पालन- पोषण किया और शिक्षा- दीक्षा दी, को गहरा आघात पहुंचता है। एक निजी रिपोर्ट में पाया गया है कि भारत में जिसकी भी संतान ने समलैंगिक विवाह किया, उनके माता -पिता का दिल सुबह शाम रोता है। समाज के कार्यक्रम में जाने से कतराते हैं। दूसरा समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता के विरोध में तर्क है कि समलैंगिक विवाह की संतान चाहे गोद ली गई हो या सोरोगेट मदर द्वारा प्राप्त की हो अथवा बेबी ट्यूब के माध्यम से जन्म दिया हो, ताउम्र समाज में सीना तान करके नहीं चल सकती !! ऐसी संतानों के विवाह में बहुत सारी सामाजिक और मनोवैज्ञानिक समस्या पैदा होती है। समलैंगिक दंपत्ति का सामाजिक जीवन नहीं के बराबर होता है । वे प्राय एकांकी जीवन जीते हैं और एक- दो दशक में समलैंगिक विवाह का नशा उतर जाता है और वह स्वयं अपने विवाह संबंधी निर्णय पर पछताते हैं !!

समलैंगिक विवाह का निर्णय नादान बालक - बालक अथवा बालिका- बालिका में जन्मा उन्माद है। जिसकी सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक बुराइयों का न ओर है ना छोर। जिस घर आंगन में भी यह धिनौना निर्णय लिया जाता है, वह अपने पूर्वजों को तो लजाते ही हैं, साथ ही साथ आने वाली पीढ़ी को एक ऐसा दर्द दे जाते हैं जो असहनीय है। इस तरह के उन्मादी लोगों का निर्णय समाज के लिए तो कलंक बनता ही है धर्म को भी कलंकित करता है। फिर एक बात और जिसे हम जानवर की दुनिया कहते हैं। उन जानवरों में भी कभी इस तरह का समलैंगिक यौन संबंध नहीं देखा जाता है और न ही वे ऐसा सोचते हैं। शायद इंसान को जानवरों से सबक लेना चाहिए और अपने समलैंगिक उन्माद पर शर्म करना चाहिए।

भारत के लोगों का धार्मिक, सामाजिक एवं मानवीय विचारों को संज्ञान में लेते हुए माननीय उचतम न्यायालय के समक्ष समलैंगिक विवाह कानून की मान्यता देने का जो विषय आया है। इस विषय पर यह कहकर के खारिज कर देना चाहिए कि जिन स्त्री या पुरुष को समलैंगिकता में आनंद आता है वह अपना आनंद ले। कानूनी मान्यता की न तो अपेक्षा करें और न ही उन्हें अधिकार मिलने वाला है।

10 वर्ष पूर्ण होने पर
दैनिक सद्भावना पाती को
अनंत शुभकामनाएं

-: बधाईकर्ता :-
प्रकाश अग्रवाल

CONGRATULATIONS!
11वें वर्ष में प्रवेश होने पर
दैनिक सद्भावना पाती को
अनंत शुभकामनाएं

-: बधाईकर्ता :-
पंकज गुप्ता

पितरेश्वर हनुमान धाम

एयरपोर्ट से पितरेश्वर हनुमान धाम की दूरी करीब 3 किलोमीटर है, अष्टधातु की दुनिया की सबसे बड़ी हनुमानजी की मूर्ति स्थापित है।

18 सालों में लोगों ने अपने पितरों के नाम से पितृ पर्वत पर सैकड़ों पौधे रोपे जिसमें से कई तो विशाल वृक्ष का रूप ले चुके हैं। यहां पर हनुमानजी की मूर्ति स्थापित होने के बाद इस स्थान का नया नामकरण 'पितरेश्वर हनुमान धाम' हो गया है। यानी पितृ पर्वत अब पितरेश्वर हनुमान धाम से जाना जाता है. हनुमानजी की मूर्ति की ऊंचाई 76 फीट है। यह प्रतिमा अष्ट धातुओं से बनी हुई है।

देवगुराड़िया मंदिर इंदौर

देवगुराड़िया पहाड़ी पर भगवान शिव का अद्भुत मंदिर है। यह एक हजार साल से भी ज्यादा पुराना है। मान्यता के अनुसार गरुड़ ने यहां आकर भगवान शिव की तपस्या की थी। इसलिए इस स्थान का नाम गरुड़ के नाम पर देवगुराड़िया पड़ा। इस स्थान को गरुड़ तीर्थ के नाम से भी जाना जाता है। मंदिर में भगवान शिव के गण माना जाने वाला नाग का जोड़ा भी रहता है। कभी कुंड में तो कभी शिवालय में ये नाग-नागिन भक्तों को दर्शन देते हैं।

बड़ा गणपति मंदिर इंदौर

बड़ा गणपति मंदिर, इंदौर के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह मंदिर गणेश जी की विशाल प्रतिमा के कारण विख्यात है। गणेश जी की यह मूर्ति 25 फीट ऊंची है जिसे पूरी दुनिया में गणपति की सबसे ऊंची मूर्ति माना जाता है। एक स्वप्न के परिणामस्वरूप एक अवंतिका (उज्जैन) निवासी श्री दधीच ने इस मंदिर का निर्माण किया था । इस मंदिर का निर्माण 1875 में किया गया था।

IIT इंदौर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के रूप में, IIT इंदौर IIT परिषद द्वारा केन्द्रित है, एक निकाय जो विशेष रूप से भारत सरकार द्वारा स्थापित किया गया है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह ने 17 फरवरी, 2009 को सिमरोल में लगभग 501.42-एकड़ (2.1 किमी 2) के क्षेत्र में फैले स्थायी परिसर की नींव रखी, जो शहर से 25 किलोमीटर दूर खंडवा रोड पर स्थित है।

Super Corridor

इंदौर के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से लेकर एमआर 10 तक लगभग 11 किलोमीटर लंबाई के जोन को सुपर कॉरिडोर के नाम से जाना जाता है. यह इंदौर की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है. इस योजना का विकास कार्य IDA और IMC मिलकर कर रहे हैं।

इसके सबसे बड़े भाग 230 एकड़ में देश की दिग्गज आईटी कंपनियां, टीसीएस और इंफोसिस ने अपना काम शुरू कर दिया है. नर्सी मूंजी और सिंबायोसिस जैसे बड़े एजुकेशन हब के साथ अन्य आईटी, मेडिकल, मैन्युफैक्चरिंग, फाइनेंस और बैंकिंग क्षेत्र की बड़ी कंपनियां भी आने की तैयारियां कर रही हैं. इसके आवासीय प्रोजेक्ट में IDA की 5 स्कीम भी शामिल है जिसमे स्कीम नंबर 139, 151, 155, 169, 176 प्रस्तावित है और इनका काम अभी शुरू होना बाकी है।

फिल्मफेयर में 'गंगूबाई काठियावाड़ी ' को मिले 10 बड़े अवॉर्ड्स के बाद संजय लीला भंसाली ने कहा- 'आखिरकार मेहनत रंग लाई '

10 फिल्मफेयर अवॉर्ड अपने नाम कर चुकी गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर संजय लीला भंसाली ने जताई खुशी, कहा- यह एक ऐसी फिल्म है जिस पर मुझे विश्वास था और मैं बहुत खुश हूं कि मैंने यह फिल्म बनाई

संजय लीला भंसाली की गंगूबाई काठियावाड़ी ने हाल ही में हुए एक बड़े अवॉर्ड नाइट में धूम मचा दी और 10 कैटेगरी में जीते अवॉर्ड्स। इस फिल्म को 16 नॉमिनेशन्स मिले थे जिसमें से बेस्ट फिल्म (गंगूबाई काठियावाड़ी), बेस्ट निर्देशक (संजय लीला भंसाली), बेस्ट एक्ट्रेस (फीमेल), (आलिया भट्ट), बेस्ट डायलॉग, (प्रकाश कपाड़िया, उत्कर्षिनी वशिष्ठ), बेस्ट बैकग्राउंड स्कोर, (संचित बल्हारा और अंकित बलहारा), बेस्ट कोरियोग्राफी, (कृति महेश (धोलिदा-गंगूबाई काठियावाड़ी), बेस्ट सिनेमैटोग्राफी, (सुदीप चटर्जी), बेस्ट कॉस्ट्यूम डिज़ाइन, (शीतल इकबाल शर्मा), बेस्ट प्रोडक्शन डिज़ाइन, (सुब्रत चक्रवर्ती) और अमित रे) का खिताब अपने नाम किया। साथ ही अपकमिंग म्यूजिक टैलेंट के लिए विशेष आरडी बर्मन पुरस्कार, जान्हवी श्रीमंकर (धोलिदा- गंगूबाई काठियावाड़ी) को दिया गया।

फिल्म की बड़ी जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए, संजय लीला भंसाली ने कहा, यह हमारे लिए एक बड़ा पल है। यह हमारे लिए एक अच्छा दिन है और मुझे लगता है कि आखिरकार हमारी सारी मेहनत रंग लाई है। यह एक ऐसी फिल्म है जिस पर हमें विश्वास था और मैं बहुत खुश हूं कि मैंने फिल्म बनाई। मैं बहुत खुश हूं कि आलिया ने फिल्म में काम किया और अजय देवगन और फिल्म में अभिनय करने वाले अन्य सभी महान कलाकार और सभी तकनीशियन ... यह हम सभी के लिए बहुत खुशी का पल है। हमने पूरे लॉकडाउन और कोविड के दौरान काम किया है इसलिए यह हमेशा खास रहेगी।

पिछले साल 72वें बर्लिन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर होने के बाद, संजय लीला भंसाली की गंगूबाई काठियावाड़ी 2022 में हिंदी भाषा की पहली ब्लॉकबस्टर बन गई।

अपने थिएट्रिकल रन में गंगूबाई काठियावाड़ी ने नेशनल बॉक्स ऑफिस पर 153.69 करोड़ की कमाई की और ग्लोबल लेवर पर 209.77 करोड़ के साथ एक बड़ी कमर्शियल सफलता के रूप में उभर कर सामने आई - इस उपलब्धि को और भी उल्लेखनीय बना दिया फिल्म के सामने आने वाली मुश्किलों ने। दरअसल महामारी के कारण सिनेमाघरों में फिल्में देखने के लिए दर्शक जरा भी इछुक नही थे, इस फैक्ट के साथ सिनेमा हॉल में केवल 50त्न ही ऑक्यूपेंसी देखी गई और फिर एक फीमेल स्टारर फिल्म होने के नाते भी ये सुर्खियों में आ गई, जिनकी फिल्में आमतौर पर किसी भी मेल एक्टर की फिल्मों की तुलना में कम कमाई कर पाती है।

यह ओटीटी पर सबसे यादा देखी जाने वाली हिंदी फिल्मों में से एक बन गई, जिससे इसकी लोकप्रियता और अपील का अंदाजा लगाया जा सकता है, न केवल नेशनल लेवल पर बल्कि विदेशों में भी।

इस साल की सभी उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए, चाहे वह शानदार समीक्षाएं हों, आउटस्टैंडिंग बॉक्स ऑफिस नंबर्स हों, या सफल होने के लिए कई बाधाओं को पार करना हो, इस फिल्म ने सब किया। ऐसे में यह कहना सही है कि गंगूबाई काठियावाड़ी अब तक की सबसे पसंदीदा हिंदी फिल्म थी और कल रात फिल्म को मिले 10 अवॉर्ड्स इस बात की गवाही देता है।

धरना दे रहे पहलवानों के समर्थन में उतरे नीरज और कपिल

ओलंपियनों को सड़कों पर बैठे देखकर दुख होता है, इस मामले में न्याय हो

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव और ओलंपिक स्वर्ण विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों का समर्थन करते हुए कहा है कि उनके साथ न्याय होना चाहिये। कपिल और नीरज ने कहा कि हमारे देश के ओलंपियन खिलाड़ियों को इस प्रकार सड़कों पर बैठे देखकर दुख होता है। इस मामले में न्याय होना चाहिय। अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए नीरज ने लिखा, 'अपने एथलीटों को न्याय की मांग करते हुए सड़कों पर देखकर मुझे दुख होता है। उन्होंने हमारे महान राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने और हमें गौरवान्वित करने के लिए कड़ी मेहनत की है।'

नीरज ने इसके साथ ही लिखा, 'एक राष्ट्र के रूप में, हम प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह एथलीट हो या कोई आम नागरिक, उसकी गरिमा की रक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। जो हो रहा है वह कभी नहीं होना चाहिए। यह एक संवेदनशील मुद्दा है और इससे निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हल किया जाना चाहिए। इस मामले में न्याय सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।' वहीं पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम को विश्व विजेता बनाने वाले पूर्व कप्तान कपिल देव ने भी पहलवानों का समर्थन करते हुए एक इंस्टाग्राम स्टोरी साझा की है। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर बजरंग और विनेश सहित अन्य पहलवानों की तस्वीर के साथ लिखा, 'क्या उन्हें कभी न्याय मिलेगा?'।

गौरतलब है कि विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया सहित देश के शीर्ष पहलवान आजकल भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे हैं। इनकी मांग है कि महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच हो और उन्हें गिरफ्तार किया जाये। इस मामले में पहलवानों ने जांच समिति की रिपोर्ट को भी सार्वजनिक करने की मांग की है। पहलवान इस मामले में दूसरी बार धरने पर बैठे हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई चल रही है, जहां पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर याचिका दायर की थी जिसके बाद शीर्ष अदालत ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

इससे पहले पहलवान रवि दहिया ने भी अपने साथियों के साथ खड़े होने के लिए अपने ट्विटर अकाउंट का सहारा लिया. रवि ने लिखा, 'एक फौजी और एक खिलाड़ी हर देश का गौरव होता है और उनका सम्मान करना देश का दायित्व है।' धरना दे रहे पहलवानों ने महासंघ के अध्यक्ष पर नाबालिग पहलवानों के यौन शोषण के साथ ही डराने धमकाने के भी आरोप लगाए हैं।

बड़े पर्दे पर पहली बार विक्की कौशल संग नज़र आएंगी रश्मिका मंदाना, फिल्म 'छावा' में दिखेगा ऐतिहासिक किरदार!

साउथ में अपने स्टारडम का सिक्का जमाने के बाद रश्मिका मंदाना बॉलीवुड पर भी राज करने के तैयारी में हैं. पिछले साल ही रश्मिका ने बड़ी स्क्रीन पर हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया था. उनकी पहली ही फिल्म अमिताभ बचन के साथ गुड बाय थी. इसके बाद वो ओटीटी पर मिशन मजनू में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आई थीं रश्मिका की गुड बाय ने तो थिएटर्स में कोई खास कमाल नहीं किया, लेकिन उनके पास अगले कुछ समय में एक से बढ़कर एक दमदार प्रोजेक्ट्स हैं. अब एक और बड़े प्रोजेक्ट में उनकी कास्टिंग को लेकर खबर आ रही है. रिपोर्ट्स बताती हैं कि रश्मिका अब जल्द ही विक्की कौशल के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाली हैं. आइए बताते हैं इस प्रोजेक्ट के बारे में।

छावा में रश्मिका और विक्की कौशल- कुछ महीने पहले खबर आई थी कि सारा अली खान के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी कर रहे विक्की कौशल, इसी फिल्म के डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर के साथ एक पीरियड ड्रामा में काम करने वाले हैं. फिल्म का टाइटल छावा बताया गया है. इसमें विक्की, मराठा साम्राय की नींव रखने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज का रोल करते दिखेंगे। एक वेब पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, रश्मिका मंदाना भी इस फिल्म का हिस्सा होंगी. बताया जा रहा है कि फिल्म में रश्मिका, छत्रपति संभाजी महाराज की पत्नी, येसुबाई भोंसले का किरदार निभाएंगी. रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फिल्म की कहानी संभाजी महाराज की वीरता, उनके बलिदान और युद्ध कला के बारे में होगी. मगर इसमें एक पति-पत्नी की इमोशनल लव स्टोरी भी है. रिपोर्ट में कहा गया, शासक के रूप में संभाजी राजे और उनकी पत्नी का सिंहासन पर बराबर का हक था. जब भी संभाजी युद्ध लड़ने मराठा राजधानी से दूर होते थे तो सभी राजनीतिक फैसले उनकी पत्नी लेती थीं. बताया जा रहा है कि इस रोल के लिए रश्मिका मेकर्स की पहली पसंद थीं।

CONGRATULATIONS!

10 वर्ष पूर्ण होने पर

दैनिक सद्भावना पाती को

अनंत शुभकामनाएं

-: बधाईकर्ता :- चेतन जंगम

11 वें वर्ष में प्रवेश होने पर

दैनिक सद्भावना पाती को

अनंत शुभकामनाएं

CONGRATULATIONS!

-: बधाईकर्ता :- प्रमोद पारे

11 वें वर्ष में प्रवेश होने पर

दैनिक सद्भावना पाती को

अनंत शुभकामनाएं

CONGRATULATIONS!

-: बधाईकर्ता :- देव पटेरिया

CONGRATULATIONS!

10 वर्ष पूर्ण होने पर

दैनिक सद्भावना पाती को

अनंत शुभकामनाएं

-: बधाईकर्ता :- श्याम खातोड

CONGRATULATIONS!

10 वर्ष पूर्ण होने पर

दैनिक सद्भावना पाती को

अनंत शुभकामनाएं

-: बधाईकर्ता :- अनिल जैन

11 वें वर्ष में प्रवेश होने पर

दैनिक सद्भावना पाती को

अनंत शुभकामनाएं

CONGRATULATIONS!

-: बधाईकर्ता :- लखन देपाले

IIM

सरकार द्वारा स्थापित प्रबंधन संस्थान इंदौर, मध्य प्रदेश में है। 1998 में स्थापित, आईआईएम इंदौर प्रतिष्ठित आईआईएम परिवार का छठा सदस्य है। वर्तमान में संस्थान की एनआईआरएफ रैंकिंग पांचवें स्थान पर है। प्रबंध शिखर के नाम से जाना जाने वाला आई आई एम इंदौर का सुंदर 193 एकड़ (781,000 वर्ग मीटर) परिसर इंदौर के बाहरी इलाके पर एक छोटी पहाड़ी के ऊपर स्थित है। यह संस्थान लगातार भारत के शीर्ष प्रबंध विद्यालयों के बीच वरीयता पाता है।

DAVV

इंदौर में स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय मध्य भारत का एक प्रमुख विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना मध्यप्रदेश सरकार के अधिनियम के तहत 1964 हुई। स्थापना के समय इस विश्वविद्यालय का नाम इंदौर विश्वविद्यालय रखा गया। सन 1988 में देवी अहिल्या बाई होल्कर की स्मृति में विश्वविद्यालय का नाम बदल कर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय कर दिया गया। यह मध्य प्रदेश का पहला राज्य विश्वविद्यालय है जिसे NAAC द्वारा "A+" ग्रेड से मान्यता प्राप्त है। हर साल लगभग 3,00,000 छात्रों को सेवा प्रदान करता है। आज विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत धार, झाबुआ, खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर, बड़वानी आदि जिले शामिल हैं।

Nagar Nigam

इन्दौर नगर निगम शहर का शासी निकाय है। इस नगर सरकार (आईएमसी) की स्थापना वर्ष 1956 में हुई थी। नगर निगम शहर की बुनियादी सुविधाओं और सार्वजनिक सेवाओं का संचालन करता है। इंदौर शहर को 85 वार्डों में विभाजित किया गया है जिन्हें प्रशासन की सुविधा के लिए 35 समूहों में बांटा गया है। पिछले 6 वर्षों से इंदौर लगातार भारत का सबसे स्वच्छ शहर बना। वर्तमान में, आईएएस हर्षिका सिंह इंदौर नगर निगम की नगर आयुक्त और पुष्यमित्र भार्गव महापौर हैं।

IDA

इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए), इंदौर के महानगरीय क्षेत्र की नगरीय नियोजन सेवा की एजेन्सी है। यह मध्य प्रदेश के शहर और ग्रामीण योजना अधिनियम, 1973 के अन्तर्गत 1973 मे स्थापित किया गया था। शहर के मास्टर प्लान (टाउन एंड कंट्री प्लानिंग अथॉरिटी द्वारा तैयार) को लागू करने के अलावा, आईडीए शहर में विकास संबंधी सभी गतिविधियों की देखरेख के लिए भी जिम्मेदार है। इसका मुख्यालय 7, रेस कोर्स रोड, इन्दौर है। प्राधिकरण को बारह विभागों में बांटा गया है -अभियांत्रिकी, वित्त, नगर नियोजन, आर्किटेक्चर, कानूनी, निगरानी, प्रवर्तन, जागरूकता, स्थापना और प्राधिकरण, नीति, भूमि अधिग्रहण, सूचना प्रौद्योगिकी

Indore metro

इंदौर में मेट्रो प्रोजेक्ट 31.5 किलोमीटर का है। पहले चरण में 17.5 किलोमीटर का काम चल रहा है, जो सुपर कॉरिडोर से लेकर रोबोट चौराहे तक का है। दूसरे चरण के पहले पांच किलोमीटर के लिए हाल ही में टेंडर जारी हुए हैं। इंदौर मेट्रो के पहले चरण की आधारशिला 14 सितंबर, 2019 को रखी गई थी। मेट्रो का निर्माण कुल 15,000 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। इंदौर मेट्रो की चार लाइनें होंगी। वर्तमान में, लाइन 3 के विकास के लिए कार्य प्रगति पर है, जबकि अन्य तीन लाइनें प्रस्ताव के स्तर पर हैं। मेट्रो परियोजना में 89 स्टेशन शामिल करने की योजना है, जिनमें से 29 वर्तमान में निर्माणाधीन हैं। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड इंदौर मेट्रो परियोजना की देखरेख कर रहा है, जिसके 2026 तक पूरा होने का अनुमान है।

IT Park

इंदौर में प्रदेश का पहला और सफल क्रिस्टल आईटी पार्क है जहाँ देश की कई बड़ी आईटी कम्पनिया कार्य कर रही हैं। ये 20 मंजिला पार्क खंडवा रोड पर भंवरकुआं चौराहा में स्थित है। इसके बाद 50 करोड़ की लागत से बना दूसरा आईटी पार्क 'अतुल्य' भी 4 साल पहले शुरू हो चुका है। इसी बीच एमपीआईडीसी ने तीसरे आईटी पार्क का ऐलान कर दिया है। दोनों मौजूदा आईटी पार्क के पास ही 120 करोड़ में तीसरा 21 मंजिला आईटी पार्क भी खड़ा होगा । वहीं, पांच साल में एक हजार करोड़ में इंदौर का स्टार्टअप पार्क भी विकसित किया जाएगा, ये 21 एकड़ क्षेत्र में सुपर कॉरिडोर पर लवकुश चौराहे के समीप बनेगा। मप्र सरकार का फोकस इसे मध्यभारत का सबसे शानदार स्टार्टअप पार्क बनाने पर है।

MY Hospital

महाराजा यशवंतराव अस्पताल (एम वाय एच), इन्दौर स्थित एक सरकारी अस्पताल है। यह मप्र का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां प्रदेश भर से लोग इलाज के लिए आते हैं। 1200 से अधिक बेड का ये 6 मंजिला अस्पताल स्वास्थ्य संबंधी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है. इसे इन्दौर के महाराजा यशवंतराव होलकर ने गरीबों के लिए बनवाया था।

कलेक्ट्रेट

कलेक्ट्रेट इंदौर जिला कलेक्टर केअधीन है। वर्तमान में डॉ. इलैयाराजा टी.(आई.ए.एस) इंदौर जिले के कलेक्टर हैं. जिला कलेक्टर या तो भा.प्र.से या रा.प्र.सेसेवा से होते हैं। अब तक जिला इंदौर का नेतृत्व हमेशा भा.प्र.से सेवाओं के अधिकारियोंद्वारा किया जाता रहा है। पहले इस कार्यालय को कलेक्ट्रेट कार्यालय के रूप मेंजाना जाता था, जिसकाअर्थ है राजस्व और प्रशासन से संबंधित सभीप्रशासनिक अधिकारियों का कार्यालय,लेकिन 2010 में यह कार्यालय प्रशासनिक संकुल में तब्दील हो गया है, जहाँकृषि, खाद्य, रजिस्ट्रार फर्म और सोसायटी , पुलिस (पश्चिम क्षेत्र), जिला रजिस्ट्रार स्टेम्प एवंपंजीयन, राज्य उत्पादशुल्क जैसे अधिकांश जिला कार्यालयों को एक ही परिसर में कलेक्टर इंदौर के पास रखनेका उद्देश्य था। इसी परिसर में स्थित 3 मंजिला सैटेलाइट बिल्डिंग मे भारतीय स्टेटबैंक शाखा, एसपी(पश्चिम) कार्यालय, कृषिविभाग, आरसीबीसी -प्रशिक्षण केंद्र, जिला रजिस्ट्रार कार्यालय, लोक सेवा केंद्र 2400 वर्ग फीटक्षेत्रफल का स्थापित है।

लता मंगेशकर

लता मंगेशकर (28 सितंबर 1929 - 6 फ़रवरी 2022) भारत की सबसेलोकप्रिय और आदरणीय गायिका थीं। लता जी का जन्म इंदौर में हुआ था लेकिन उनकीपरवरिश महाराष्ट्र मे हुई। उनका छः दशकों का कार्यकाल उपलब्धियों से भरा पड़ा है। हालाँकि लता जी ने लगभग तीस से ज्यादा भाषाओं में फ़िल्मी और गैर-फ़िल्मी गानेगाये हैं लेकिन उनकी पहचान भारतीय सिनेमा में एक पार्श्वगायिका के रूप में रही है। उन्हें सुर कोकिला भी कहा जाता है। प्यार से सब उन्हें 'लता दीदी' कहकर पुकारते हैं। अपनी बहन आशा भोंसलेके साथ लता जी का फ़िल्मी गायन में सबसे बड़ा योगदान रहा है। उनकी महान गायकी औरसुरमय आवाज के दीवाने पूरी दुनिया मे हैं। वर्ष 2001 में इन्हें भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्नसे सम्मानित किया गया। इनकी मृत्यु कोविड से जुड़े जटिलताओंसे 6 फरवरी 2022 को मुम्बई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल मेंहुई।

रूस ने यूक्रेन पर एक दिन में दागीं 23 मिसाइलें

2 बच्चों समेत 13 की मौत, ये 2 महीनों में किया गया सबसे बड़ा अटैक

कीव (सद्भावना पाती)

रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन पर एक के बाद एक 23 मिसाइलों से हमला किया । इसमें अलग-अलग शहरों में 2 बच्चों समेत 13 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक उमान शहर में 10 लोगों की मौत हुई। जबकि 9 लोग घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

निप्रो में मिसाइल ने एक घर को चपेट में ले लिया जिससे एक 2 साल की बच्ची और उसकी मां की मौत हो गई। वहीं तीन लोग घायल हुए। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। यूक्रेन की राजधानी कीव और क्रेमेनचुक शहर में भी धमाके हुए हैं। जेलेंस्की ने बताया की रूसी मिसाइलों के हमले में 10 रहवासी इमारतें भी चपेट में आई हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि शैतानों को केवल हथियारों से रोका जा सकता है, रूस पर पाबंदियां बढ़ानी चाहिए। वहीं कीव शहर के मिलिट्री प्रशासन ने के मुताबिक पिछले 51 दिनों में यह यूक्रेन की राजधानी पर हुआ पहला हमला है। हमले में तबाह हुई इमारत में रहने वाले एक व्यक्ति ने रॉयटर्स को बताया कि हमला इतना तेज था कि आसपास सब कुछ हिलने लगा, फिर एकदम से धमाका हुआ। वहीं, एक दूसरे व्यक्ति ने बताया कि उसने पहले धमाका सुबह 4:30 पर सुना था। दो बहुत तेज धमाके हुए थे, जिनमें आसपास के सब चीजें जल्दी शुरू हो गई।

2 दिन पहले जेलेंस्की ने की थी शी जिनपिंग से बात

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोलोदिमिर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत की थी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक- बातचीत के दौरान फोकस रूस-यूक्रेन जंग पर ही रहा। बातचीत के बाद जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा- चीन के प्रेसिडेंट से काफी लंबी और अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। हमने रूस के हमले और यूक्रेन के हालात पर बातचीत की। हम चाहते हैं कि चीन के साथ अच्छे रिश्ते हों।

जेलेंस्की ने आगे कहा

जिनपिंग से आज की बातचीत और चीन में यूक्रेन के एम्बेसडर का अपॉइंटमेंट अहम मुद्दे हैं, जो ये बताते हैं कि हम दोनों ही देश साथ चलना चाहते हैं।

कर्नाटक में बन रही कांग्रेस की सरकार : राहुल गांधी

भाजपा को राज्य में 40 सीटें मिलेगी

बेंगलुरु (सद्भावना पाती)

कर्नाटक में कांग्रेस और भाजपा के बड़े नेता लगातार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इस बीच कांग्रेस नेता और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी शुक्रवार को चुनाव प्रचार करने पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनने वाली है।

कांग्रेस की सरकार बनने से कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधकर कहा कि ये भी तय है कि भाजपा को 40 अंक बहुत अच्छा लगता है, इस कारण कर्नाटक की जनता इन्हें 40 सीट देगी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी को कम से कम 150 सीटें मिलेंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि 3 साल इन्होंने (भाजपा) चोरी की, 40 प्रतिशत कमीशन लिया।

राहुल गांधी ने कहा कि 50 हजार नौकरियां जो आपके हैं, वहां रिक्त पड़े हैं। हम इन 50 हजार रोजगार को भरने वाले हैं। हम यहां विशेष शिक्षा क्षेत्र नीति आपको देंगे, जिससे आईआईटी और आईआईएम भी यहां आए।

राहुल ने कहा कि जब 371-जे की बात हुई थी, तब अटल-आडवाणी जी ने कहा, यह नहीं किया जा सकता, फिर जैसे ही हमारी सरकार आई, हमने कर दिखाया। उन्होंने कहा कि आपको हजारों की संख्या में रोजगार मिला लेकिन सच ये है कि भाजपा सरकार 371-जे को इम्प्लीमेंट नहीं करती है। इसके पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि कर्नाटक में उनकी पार्टी की सरकार बनने पर मछुआरा समुदाय को 10 लाख रुपये का बीमा, महिला मछुआरों को एक लाख रुपये का ब्याजमुक्त कर्ज और प्रतिदिन 500 लीटर तक के डीजल पर 25 रुपये प्रति लीटर की सब्सिडी दी जाएगी। उन्होंने कर्नाटक के उडुपी जिले में मछुआरा समुदाय के लोगों के साथ संवाद के दौरान आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार और महंगाई के कारण मछुआरों को परेशानी हो रही है तथा उनके लिए बैंक से कर्ज ले पाना मुश्किल हो गया है।

10 वर्ष पूरे होने पर
सद्भावना पाती को अनेक शुभकामनाएं
बधाईकर्ता:- सिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर
डॉ. विजेन्द्र वैष्णव
स्कीम नं. 91 मालवा मील चौराहा, इंदौर

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स प्लाट न. 26 बी देश बंधु परिसर प्रेस काम्पलेक्स झोन क्रमांक 1 एम पी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर मध्यप्रदेश प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय कार्यालय पताः- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो। 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।